राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 259 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 21 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पानी के तेज बहाव में फंसी स्कूली वैन, बच्चों ने पेड़ पर चढ़कर बचाई जान

राजसमंद। राजस्थान के राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार को भारी बारिश ने जमकर तबाही मचाई। उदयपुर रोड पर स्थित होटल लेक एलपी के पास लखेला तालाब का तटबंध टूटने से केलवाड़ा इलाके में अचानक पानी का बहाव तेज हो गया। इस तेज बहाव में एक स्कूली वैन फंस गई, जिसमें 10 बच्चे सवार थे। जानकारी के अनुसार, वैन में पानी भरने के बाद दो बच्चों ने अपनी जान बचाने के लिए पास के एक पेड़ पर चढ़ गए। घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। राहत और बचाव दल ने सभी बच्चों और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। इस भयावह घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वैन पानी में डूबी हुई दिख रही है और कुछ बच्चे डर के मारे पेड़ पर चढ़कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। वैन में पानी भरने से बच्चे और स्टाफ बुरी तरह से घबरा गए थे और चीख रहे थे।

कालुआना से पांच दिनों से लापता चार युवकों के शव इंदिरा नहर से मिले

सिरसा। हरियाण के सिरसा जिला के गांव कालुआना से पांच दिन से लापता चार युवकों के शव शुक्रवार को गांव अबूबशहर के पास इंदिरा नहर से मिले। गत 13 जुलाई की रात को रहस्यमयी स्थिति में लापता हुए चारों युवकों के परिजन और गांववासी पिछले पांच रोज से इनकी तलाश में दिन रात लगे हुए थे। आज दोपहर चारों शवों को गोताखारों ने नहर से निकाला इसके बाद पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लिया ओर डबवाली के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिए। पुलिस के अनुसार चारों युवक रवींद्र उर्फ चौथ राम पुत्र देवीलाल, रायसिंह पुत्र ओमप्रकाश, विनोद उर्फ बिंदर पुत्र देवीलाल, बलबीर पुत्र लालचंद, निवासी गणेशगढ़ जिला श्री गंगानगर रात के समय जीप से निकले थे। अगली सुबह से उनके फोन बंद मिलने पर परिजनों ने आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें युवकों की आखिरी लोकेशन इदिरा कैनाल गांव अबूबशहर के पास मिली। इसके बाद परिजनों को अंदेशा हुआ कि जीप नहर में गिरी है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय पहुंचे हिमेश रेशमिया, कहा- 'एक कनेक्शन महसूस हुआ

नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर एवं एक्टर हिमेश रेशमिया शुक्रवार को दिल्ली के प्रमुख टूरिज्म स्मारक प्रधानमंत्री संग्रहालय में गए। इस दौरान उनके साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री संग्रहालय में जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए हिमेश रेशमिया ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं बहुत आनंदित हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि यहां पर आने का अवसर मिला। यहां मौजूद लोगों और माहौल के साथ जो कनेक्शन है।

ऑपरेशन सिंदूर से डोनाल्ड ट्रंप तक

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

मानसून सत्र से पूर्व सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष की सभी प्रमुख मांगों को स्वीकार करते हुए संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की सहमति दी है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ऑपरेशन सिंदूर, सीमा संघर्ष और ट्रंप के मध्यस्थता दावे जैसे विषयों पर बहस के लिए तैयारी दर्शाई। आगामी सत्र हंगामेदार होने की संभावना है, पर सरकार सार्थक संवाद के लिए तत्पर है। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है,

जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी। मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति: एसआईआर, पहलगाम हमला और ट्रंप के दावे पर घेराबंदी की तैयारी संसद का आगामी मानसून सत्र हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई विवादास्पद मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह एक सार्थक और बहस-आधारित सत्र के लिए पूरी तरह तैयार है। मानसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में, विपक्षी नेताओं ने उन प्रमुख मुद्दों को रेखांकित किया जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं। इनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताएं, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकवादी हमला, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का विवादास्पद दावा शामिल है। विपक्ष की रणनीति इन मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही मांगने और जनता का ध्यान आकर्षित करने पर केंद्रित होगी, जिससे सत्र के दौरान तीखी बहस और गतिरोध देखने को मिल सकता है। सरकार ने अपनी ओर से इन चुनौतियों का सामना करने और सभी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए तत्परता दिखाई है।

मानसून सत्र में सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट,सर्वदलीय बैठक में उठे ये प्रमुख मुद्दे

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। मानसून सत्र में केंद्र सरकार को घेरने के लिए विपक्ष एकजुट हो गया है। रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने तमाम मुद्दे उठाए। इस दौरान विपक्ष ने पहलगाम हमला, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर ट्रंप के दावे पर सरकार के जवाब, बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बात की। संसद का यह मानसून सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम हमला, बांग्लादेश सीमाओं पर संघर्ष, बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण, ट्रंप के दावों समेत कई मुद्दे उठाएंगे। प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य और नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करें। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपना नैतिक और नैतिक कर्तव्य निभाएंगे।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

नाबालिग घायल,पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के ग्राम कोण्डापडगु में आईईडी ब्लास्ट में 16 साल का एक नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बीते दिनों की बताई गई है, जब कृष्णा गोटा पिता फक्कीर निवासी कोण्डापडगु के जंगल में मवेशी चराने गया था। नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुचाने के मकसद से यहां आईईडी लगाया था। आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से कृष्णा को पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में उसे तत्काल जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां उसका

इलाज जारी है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जंगल या संवेदनशील इलाकों में भ्रमण करते समय विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्ष बलों के कैंपों को दें।

ऊधमपुर में पत्थर और मलबा गिरने से धार रोड डेढ़ घंटे रहा बंद

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर समरौली के पास भूस्खलन,कश्मीर जाने वाला रास्ता बंद हुआ.....

श्रीनगर/ संवाददाता

जम्मू-कश्मीर में समरौली के पास देवाल ब्रिज के नजदीक रविवार को एक भूस्खलन की घटना हुई, जिससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की ऊपरी लेन (कश्मीर की ओर जाने वाला मार्ग) अवरुद्ध हो गया। भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है और प्रशासन द्वारा मलबा हटाने का कार्य जारी है। सड़क को जल्द से जल्द बहाल करने की कोशिश की जा रही है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे राज्य का एकमात्र प्रमुख संपर्क मार्ग है, जो जम्मू को कश्मीर घाटी से जोड़ता है। ऐसे में इस मार्ग पर भूस्खलन से न केवल यात्री परेशान हैं, बल्कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ सकता है। उधमपुर में भी बारिश से पूरे जिले में सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। धार रोड पर दुधर नाले के पास बुधवार को सुबह भूस्खलन होने से करीब डेढ़ घंटे वाहनों की आवाजाही ठप रही। इससे घटनास्थल के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे वाहनों के चालक व यात्री परेशान होते रहे। सड़क पर

पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थरों के साथ मलबा भी गिरा था। इससे सड़क पूरी तरह से बंद हो गई थी। एकतरफा भी वाहनों को नहीं निकाला जा सकता था। सूचना मिलने के बाद विभागीय टीम जेसीबी और कर्मचारियों के साथ पहुंच गई। जेसीबी की मदद से सड़क से बड़े-बड़े पत्थरों को हटाया। साथ ही मलबा साफकिया गया। इसके बाद वाहनों को दोनों तरफ से निकाला जाना शुरू कर दिया गया। भूस्खलन में कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। स्थानीय निवासी सोनू कुमार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के चलते दुधर नाले पर बने पुल के पास पहाड़ से भूस्खलन हुआ है। इससे काफी ज्यादा पत्थर गिरकर सड़क पर आ गिरे थे। इससे उधमपुर, मनवाल, किशनपुर, जिंद्राह, रौन दोमेल, बिलावर, बट्टल-मानसर, मजालता और सांबा के रास्ते उधमपुर की तरफ आने वाले वाहन फंस गए थे।

सांसद थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव

पार्टी नहीं, देश पहले.....शशि थरूर के बागी तेवर से कांग्रेस में भूचाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफकह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों

के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है। जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बडी समस्या बन जाती है।' उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, 'आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है?

आतंकियों की तलाश के लिए घाटी के चार जिलों में 10 जगहों पर चलाया अभियान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंक से जुड़े एक मामले में श्रीनगर की कई जगहों पर तलाशी अभियान जारी है। इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस विंग एक आतंकी मामले के सिलसिले में घाटी में कई जगहों पर तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) द्वारा कश्मीर घाटी के चार जिलों में 10 जगहों पर तलाशी ली जा रही है। आतंकवादी स्लीपर सेल और भर्ती मॉड्यूल का पता लगाने के लिए तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि सीआईके की तलाशी गंदेरबल में छह, बडगाम में दो और पुलवामा व श्रीनगर में एक-एक जगह पर ली जा रही है।

किस देश के लड़ाकू विमान गिरे हैं

डोनाल्ड ने नहीं बताया फिर भी राहुल गांधी ने सवाल उठाया....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ट्रंप के बयान के बाद देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राफेल के गिरने को लेकर सरकार से सवाल पूछते आए हैं। अब ट्रंप के दावे के बाद कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछा है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि मोदी जी, 5 जहाज़ों का सच क्या है? देश को जानने का हक है! लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप के बयान का वीडियो साझा किया।

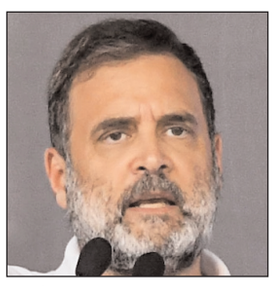

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को हुई थी और इस ऑपरेशन को 10 मई को रोक दिया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत की वायु सेना ने जो क्षमता दिखाया था उसकी स्टडी दुनियाभर के देश कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। जिसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाहे बगाहे क्रेडिट लेने के लिए चले आते हैं। हालांकि भारत की तरफ से लगातार इसका खंडन भी किया जाता रहा है। लेकिन ट्रंप कहा मानने वाले हैं। उन्होंने एक बार फिर से सीजफायर की बात दोहराई। इसके साथ ही एक और बड़ा दावा करते हुए कह दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पांच लड़ाकू विमान गिराए गए। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि किस देश के लड़ाकू विमान गिरे हैं। ट्रंप के बयान के बाद देश में राजनीति भी शुरू हो गई है।

चैतन्य की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने बड़ी बैठक लेकर बनाई रणनीति

छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई को होगी आर्थिक नाकेबंदी-दीपक बैज

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस ने आगे की रणनीति बनाई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी करेगी। इस संबंध में पार्टी की बड़ी बैठक कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में हुई। इसमें राज्य सरकार, उद्योगपति और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहा कि पेड़ कटाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष की ओर से विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया गया था। इससे ध्यान भटकाने के लिए सुबह छह बजे रेड ईडी की रेड पड़ी। पिछली बार भी रेड मारी गई थी, लेकिन इस बार मैं विधानसभा पहुंचने में सफल रहा। आरोप लगाते हुए कहा कि ये बीजेपी के सोची-समझी रणनीति है। चाहे देवेंद्र यादव हों, सतनामी समाज के नेता हों, उन्हें एक केस में फंसाया गया। आदिवासी की आवाज दबाने के लिये कवासी लखमा को जेल में डाला गया। मेरा बेटा जो राजनीति में भी नहीं है, उसे भी टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुझे जानकारी मिली कि मेरे बेटे को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। दस मार्च के बाद 18 जुलाई को सीधे गिरफ्तारी हो गई। इस बीच कोई नोटिस

नहीं मिला। कोई पूछताछ नहीं हुई। सीधे गिरफ्तार कर लिया गया। यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। यह भाजपा का कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें दबाने की एक सुनियोजित रणनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरा बेटा राजनीति में नहीं है और अपने व्यवसाय और खेती-बाड़ी तक ही सीमित है। बीजेपी का उद्देश्य कांग्रेस नेतृत्व को खत्म करना और उन्हें दबाना है। दूसरी ओर हमारे सभी प्राकृतिक संसाधनों को अडानी को देने की साजिश कर रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ को अडानी के हवाले करना चाहते हैं। यह लड़ाई उनके या देवेंद्र यादव और कवासी लखमा जैसे नेताओं के लिए नहीं, बल्कि राज्य के लिए है। एक सवाल के जवाब में कहा कि क्या वो जाँच एजेंसियों का अगला निशाना हो सकते हैं। बघेल ने कहा- हाँ। उन्हें लगा कि मैं कई बार जेल जा चुका हूँ, इसलिए उन्होंने मेरे बेटे को निशाना बनाया, लेकिन मेरा बेटा मुझसे ज्यादा ताकतवर है। हम महात्मा गांधी, नेहरू और सरदार पटेल के वंशज हैं, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ते हुए 10 साल जेल में बिताए। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश और संविधान को बचाने के लिए हर ज़रूरी कुर्बानी दी जायेगी। ईडी की इस अवैधानिक कार्रवाई का सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है। पेड़ कटाई का विरोध कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने किया।

सड़क पर उतरेंगे कांग्रेसी करेंगे चक्काजाम-बैज

उन्होंने कहा कि आर्थिक नाकेबंदी विपक्षी नेताओं के खिलाफकेंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के विरोध में है। दावा करते हुए कहा कि जब से प्रदेश में बीजेपी सरकार बनी है तब से कांग्रेस नेताओं को धमकाया जा रहा है और झूठे मामलों में जेल में डाला जा रहा है। विष्णुदेव साय सरकार को केंद्र की सरकार रिमोट से से चला रही है। वह दो साल में सभी मोर्चों पर विफल रही है। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं। पूरी पार्टी भूपेश बघेल के साथ खड़ी है। आर्थिक नाकेबंदी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे और राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम करेंगे। इस अवसर पर विपक्ष के नेता चरणदास महंत, कांग्रेस विधायक और पार्टी नेता मौजूद थे। दूसरी ओर सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन पर कहा कि अब वे क्या करते हैं, यह तो वही जानें।

संक्षिप्त समाचार

नेता प्रतिपक्ष नियुक्ति सालिकराम बंजारे बने नेता प्रतिपक्ष लोरमी नगर पालिका परिषद में कांग्रेस पार्षद दल के नेता

मुंगेली(समय दर्शन) जिला कांग्रेस कमेटी, मुंगेली ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए लोरमी नगर पालिका परिषद में वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद सालिकराम बंजारे को कांग्रेस पार्षद दल का नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम वर्मा जी की अनुशंसा पर की गई है। जारी पत्र के अनुसार बंजारे को यह जिम्मेदारी संगठनात्मक अनुशासन और कांग्रेस पार्टी की नीति-रीति एवं विचारधारा के पालन करते हुए प्रभावी भूमिका निर्वहन की अपेक्षा के साथ दी गई है। पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि बंजारे विपक्ष की भूमिका को मजबूती से निभाते हुए नगर पालिका परिषद में जनहित के मुद्दों को मुखर रूप से उठाएंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय यादव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में यह भी उल्लेखित किया गया है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से मान्य होगी। इस अवसर पर पार्टी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं भी प्रेषित की गई हैं।इस नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है तथा यह निर्णय आने वाले निकाय चुनावों के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शासकीय शाला बेलतरा में नव-निर्वाचित बाल कैबिनेट के सदस्यों का शपथ ग्रहण

साजा। शा.प्रा. व शा.पूर्व मा.शाला बेलतरा में नव-निर्वाचित बाल कैबिनेट के सदस्यों का शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। समारोह में शाला के प्रधान पाठक मनोज कुमार वर्मा, शिक्षक दिनेश साहू, दिलीप बंजारे, रमेश मतावरे, के.आर.राणा, श्रीमती डेमेश्वरी साहू, प्रकाश कश्यप, दिलीप जायसवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा व छात्राओं द्वारा प्रार्थना गीत गाकर किया गया। जिसके बाद शिक्षकों द्वारा उद्बोधन व शुभकामनाएं दी गई तत्पश्चात सभी चयनित कैबिनेट सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण कराई गई।अंत में छात्र प्रतिनिधियों द्वारा आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

किरंदुल नगर पालिका ने पर्यावरण संरक्षण के लिए बांटे 1000 पौधे, लिया संरक्षण का संकल्प

दंतेवाड़ा किरंदुल। नगर पालिका ने पर्यावरण संरक्षण और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। छत्तीसगढ़ शासन की योजना के तहत आयोजित 卐एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में शहरवासियों को निःशुल्क 1000 पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता, नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पौधों की देखभाल और पर्यावरण जागरूकता बनाए रखने का संकल्प लिया। उपस्थित नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वच्छ और हरा-भरा किरंदुल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह सहित सभी पार्षद मौजूद रहे। नगर पालिका का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और शहर को हरित बनाने में सकारात्मक योगदान देगा।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में ''विद्यार्थी परिषद गठन'' समारोह आयोजित

जांजगीर-चांपा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल व प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक- 19/07/2025 को सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद गठन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उद्यन बेहर (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला-जांजगीर-चाम्पा), श्रीमती ओजश बेहर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल (संचालक, प्रयास अकादमी, बिलासपुर), डॉ. ज्ञानेश तिवारी, श्री विष्णु धानुका, श्रीमती बबीता धानुका, श्रीमती प्रणिता अग्रवाल, श्री राजेश पांण्डेय (अधिवक्ता), श्री युकेश्वर राठौर, श्री परमेश्वर राठौर, श्री आशीष अग्रवाल, श्री भैरव मिश्रा, यश राठौर, पीयूष राठौर एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यकम की शुरूआत माँ सरस्वती के तैल्य चित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। साथ ही सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं नृत्य के साथ कार्यक्रम को दिशा प्रदान की गई। सर्वप्रथम कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का संस्था के संदस्यों द्वारा पुष्प गुच्छ एवं भेंट चिन्ह देकर स्वागत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा गया कि विद्यालय में विद्यार्थी परिषद् के गठन द्वारा छात्रों को उनके कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों के प्रति तत्पर रहने एवं अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है। तत्पश्चात् संस्था के खेल शिक्षक श्री आशीष राउत, सहायक खेल शिक्षक श्री गिरजाप्रसाद एवं सुश्री यामिनी द्वारा विद्यार्थी परिषद गठन की विस्तृत जानकारी दी गई। संस्था के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। साथ ही मशाल जलाकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उद्यन बेहर (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला-जांजगीर-चाम्पा) द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा गया कि- विद्यार्थी जीवन में हमें हार नहीं मानना चाहिए, हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए। सफलता एक बार के प्रयास में मिल जाये यह जरूरी नहीं है, मैं भी अपने जीवन काल में कई बार असफल हुआ हूँ, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और लगातार प्रयास करते रहा तथा मैं सफल भी हुआ। आपको भी लगातार प्रयास करते रहना होगा सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही विशिष्ट अतिथि श्री गिरिराज गढ़ेवाल (संचालक, प्रयास अकादमी, बिलासपुर) द्वारा कहा गया कि विद्यार्थी परिषद गठन विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रेष्ठा कोचिंग सेंटर की शुरूआत की जा रही जिसमें बच्चों को नीट, आई.आई.टी, सी.ए, क्लैट इत्यादि प्रतियोगी परीक्षाओं की शिक्षा दी जायेगी। जिसमें एस.टी., एस.सी. विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। यह कोचिंग सेंटर ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी में खोले जाने की पहल है। इस श्रेणी में आए हुए अतिथियों द्वारा विद्यार्थी परिषद के सदस्यों का नाम पुकारा गया जिसमें हेड बॉय -मेहुल सिंह राठौर, हेड गर्ल- त्रिशिका बजाज, डिप्टी हेड- बॉय श्रेय मसीह, डिप्टी हेड- गर्ल प्रथमा पांडे, कैबिनेट इंचार्ज गर्ल- सौम्या तिवारी, सिमरन सिंह कैबिनेट इंचार्ज बॉय- रूद्र साहू, कृष्णा सिंह राजपूत कैबिनेट सेक्रेटरी बॉय- यश साहू कैबिनेट सेक्रेटरी गर्ल- लवली राठौर, कैबिनेट स्पीकर बॉय- मयंक साहू, कैबिनेट स्पीकर गर्ल- वंशिका शर्मा, सूचना बोर्ड कास्टिंग सेक्रेटरी- महिमा साहू, अदिति राठौड़, अपूर्व साहू ,सिद्धांत राज, असेम्बली इंचार्ज- आकांक्षा यादव, प्रियांश पांडे, अर्णव गोयल, आलोक चतुर्थी, मानशी खुटे, आराध्या शर्मा, डिसिप्लीन इंचार्ज- प्रखर पांडे, पुष्कर राज केशरी, कृष्णा सिंह राजपूत, अनमोल गोस्वामी, सोनम पांडे, अहाना सिंह, आर्यन श्रीवास्तव, स्पोर्ट्र्स कैप्टन बॉय- मीर बरेठ, स्पोर्ट्र्स कैप्टन गर्ल- आद्या द्विवेदी, डिप्टी स्पोर्ट्र्स कैप्टन- अदिति मिश्रा, डिंपल केवट, रितेश सूर्या, समर प्रताप सिंह, आर्यन श्रीवास्तव कल्चरल इंजार्च- रिद्धि मखीजा, सिमरन सिंह, आरुषि पटले, दिव्यांश साहू, अंशिका अग्रवाल, सृष्टि सिंह, वृष्टि टंडन, समृद्धि पांडे, शौर्या तिवारी, समरवीर चौहान, वैभव गोपाल, नमन गंधर्व, गर्वित मिश्रा, यश बैसवार, बैंड इंजार्च- स्वप्निल सोन, विराज तिवारी, शौर्या तिवारी, रूहान बंजारे, रुजेल मिका, आशुतोष राठौर, आर्यव देवांगन, श्रेयम राठौर, अजेय हाउस- यश पटेल शुभि पूर्णा, अभय हाउस- आराध्या शर्मा हर्षवर्धन सूर्यवंशी, अनंत हाउस- आकांक्षा यादव, अभिषेक तिवारी, आदित्य हाउस- वेदांत लहरे, प्रिया कश्यप, इको क्लब इंचार्ज- रूद्र मनु, मुस्कान राठौड़, वॉलेन्टियर्स- सभी बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी रहें। चयनित विद्यार्थियों को संस्था द्वारा बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। चयनित हेड बॉय -मेहुल सिंह राठौड़, हेड गर्ल- त्रिशिका बजाज द्वारा एक्सेप्टेंस स्पीच प्रस्तुत किया गया। संस्था के चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं को चारों सदनों के हाउस मेंटर के रूप में पदभार दिया गया। इनमें विनिता पांण्डेय, मिनल सिंह चंदेल, सीमा पांण्डेय, स्वलेहा परवीन, नीतू राठौर, पूजा वर्मा, योगेश देवांगन, कोनिका दास रहें। चयनित विद्यार्थियों को संस्था की प्राचार्या द्वारा बैच एवं शैशेज के साथ सम्मान किया गया तथा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर इस दिन को यादगार बनाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती नीलम सिंह द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री स्वरूप रंजन करना द्वारा किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को पूर्ण बनाया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन स्टॉफएवं ग्राउड लेवल स्टॉफका सराहनीय योगदान रहा।

बसंतपुर - किकिरदा से घोघरी मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील

बिर्रा (समय दर्शन)। बसंतपुर - किकिरदा और करही से घोघरी तक मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। जगह-जगह बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढा हो गया है। लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा ,संभाग बिलासपुर के अधिकारी कर्मचारी मुख्य मार्ग की मरम्मत को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। जिसके कारण आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जैजैपुर विधानसभा के अंतर्गत ग्राम बसंतपुर ,किकिरदा और करही से घोघरी मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। इस मुख्य मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढा हो गया है। इस मुख्य मार्ग में रोजाना हजारों की तादाद में छोटे-छोटे और बड़े-बड़े भारी वाहन आते जाते हैं। बड़े-बड़े भारी वाहनों के आने जाने के कारण इस मुख्य मार्ग में बड़े-बड़े तालाब नुमा जगह-जगह जानलेवा गड्ढा हो गया है। जिसके कारण इस मार्ग में आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार मोटरसाइकिल सवार इस मार्ग में बने बड़े-बड़े जानलेवा तालाब नुमा गड्ढा में गिरकर घायल हो जाते हैं। जिसको स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया जाता है और इलाज भी करवाया जाता है। बसंतपुर से बस स्टैंड चौक के पहले किकिरदा में कुछ ग्रामीणों के द्वारा मुख्य मार्ग के अगल-बगल में लंबा चौड़ा मेढ़ नुमा मिट्टी से पार बांध कर मुख्य मार्ग में ही पानी को रोक दिया जा रहा है। जिसके कारण मुख्य मार्ग में ही महानदी जैसे पानी भरा रहता है। मानव ऐसा लगता है की सड़क के बीच में महानदी है या महानदी के बीच में सड़क बना है आने जाने वालों को समझ में नहीं आता है। अगर समय रहते इस बसंतपुर - किकिरदा और करही से घोघरी मुख्य मार्ग को लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा संभाग बिलासपुर के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा मरम्मत नहीं कराया जाता है तो कभी भी वाहन चालक गिरकर हादसे का शिकार हो सकते हैं। वाहन चालकों का जान भी जा सकता है। मुख्य मार्ग में बने बड़े-बड़े तालाब नुमा जानलेवा गड्ढे से लोक निर्माण विभाग उप संभाग चांपा संभाग बिलासपुर के अधिकारी कर्मचारियों को कोई लेना-देना नहीं है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी कर्मचारी कुर्सी में हाथ में हाथ रख बैठकर कार्यालय की सोभा बढ़ा रहे हैं।

बहरहाल कारण चाहे जो भी बसंतपुर - किकिरदा से घोघरी मुख्य मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। इस मुख्य मार्ग में चलने वाले लोगों ने कलेक्टर महोदय से सड़क की दशा सुधरवाने की मांग किए हैं।

झूलती हाई वोल्टेज तारों से मंडरा रहा मौत का साया काली माई वार्ड की जनता दहशत में बिजली विभाग मौन

मुंगेली(समय दर्शन) बरसात के मौसम में एक ओर जहां मूसलधार बारिश जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है, वहीं दूसरी ओर काली माई वार्ड की गली में लटकती हाई वोल्टेज बिजली की तारें एक बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रही हैं। यह खतरा न सिर्फ वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए बल्कि पूरे वार्डवासियों के लिए जानलेवा बन चुका है।मंदिर के पीछे स्थित गली में बिजली के तार इतने नीचे आ गए हैं कि दोपहिया वाहन चालकों को सिर झुकाकर निकलना पड़ता है, वहीं बच्चों व बुजुर्गों के लिए यह रास्ता किसी जोखिम भरे सफर से कम नहीं। सबसे गंभीर बात यह है कि इस समस्या की जानकारी बिजली विभाग को कई बार दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।स्थानीय निवासी अमन शर्मा ने बताया हर बार शिकायत करने पर सिर्फ आश्वासन मिलता है। कहा जाता है टीम भेजी जाएगी, लेकिन कोई आता नहीं। हमें रोज़ जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ता है। इसी तरह दोपहिया वाहन चालक पवन देवांगन कहते हैं।बरसात में फिसलन भरी सड़कों पर झूलते तार और भी ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

बिजली विभाग की लापरवाही या किसी बड़े हादसे का इंतजार

यह मामला सिर्फ एक वार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था की नाकामी और बिजली विभाग की लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और नगर निगम को भी इस विषय में कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर रोष है कि क्या विभाग किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही जागेगा? लगातार

शिकायतों और चेतावनियों के बावजूद विभागीय निष्क्रियता चिंता का विषय बन चुकी है।जनता की प्रमुख मांग

झूलते हाई वोल्टेज तारों की तत्काल मरम्मत।वार्ड में संपूर्ण बिजली व्यवस्था का परीक्षण।बरसात के मौसम में संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित जांच।

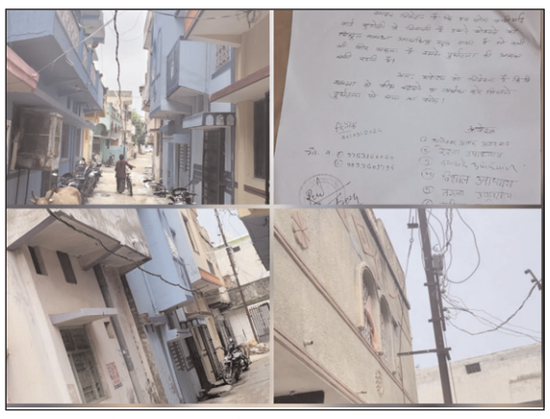

लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई- वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो वे सामूहिक प्रदर्शन करने को विवश होंगे।

अब देखना यह है कि बिजली विभाग समय रहते इस जानलेवा संकट पर ध्यान देता है या किसी दर्दनाक हादसे के बाद ही जागेगा।

इग्नाईट स्कूल अब नये भवन व बेहतर संसाधनो के साथ हो रहा संचालित

वैकल्पिक व्यवस्था से शिक्षकों क़ी कमी हुई दूर,बच्चों क़ो मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

बलौदाबाजार (समय दर्शन)/ विकासखंड कसडोल में इग्नाइट स्कूल अब नये भवन,फर्नीचर व संसाधनों के साथ बेहतर ढंग से संचालित हो रहा है। शिक्षकों क़ी वैकल्पिक व्यवस्था क़ी गई है जिससे शिक्षकों की कमी दूर होने से बच्चों क़ो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविन्द ध्रुव ने बताया कि इग्नाइट स्कूल कक्षा पहली से 8 वी तक सेजेस स्कूल परिसर में संचालित है। प्राथमिक स्कूल में बिद्यार्थियों क़ी दर्ज संख्या 83 है। प्राथमिक स्कूल में एक एवं मिडिल स्कूल में 2 शिक्षक पदस्थ है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में सेजेस स्कूल के शिक्षकों क़ो रिक्त कालखंड में पढ़ाने कहा गया है। इस तरह अब 6 शिक्षक यहां शिक्षण कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि डीएमएफ से लगभग 66 लाख रुपये क़ी लागत से नए स्कूल भवन का निर्माण हुआ है इसके साथ ही नये फर्नीचर आदि क़ी व्यवस्था क़ी गई है। अब स्कूल के विद्यार्थी और उनके पालक खुश हैं।

महासमुन्द पुलिस के द्वारा मोटर सायकल चोर गिरोह का पर्दाफश

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द पुलिस द्वारा विभिन्न कंपनीयों के मोटर सायकल की चोरी करने वाले 02 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

महासमुन्द से अलग-अलग स्थानों से वाहन चोरी कर ब्रिकी करने के फिराक में थे आरोपी।

सायबर सेल की टीम एवं थाना महासमुन्द पुलिस की संयुक्त कार्यवाही।

घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी सचिन कुमार चन्द्राकर सा. हाउसिंग बोर्ड कालोनी रमनटोला अमर नगर अम्बेडकर चौक महासमुंद ने थाना सिटी कोतवाली महासमुन्द आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 13/07/2025 को अपने मोटर सायकल चञ्जरू200 छ्यश्व क्रमांक ष्ट्त 04 त्तक्क3167 को अपने घर के नीचे रखा था जिसे रात्रि में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रमनटोला से मेरे मोटर सायकल को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है आसपास पतासाजी करने पर नहीं मिला । प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली महासमुन्द में अपराध धारा 303(2) बी.एन.एस. का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया

विवेचना के दौरान सायबर सेल की टीम एवं थाना सिटी कोतवाली पुलिस की टीम के द्वारा घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज चेक कर अज्ञात चोर के बारे में पतासाजी की जा रही थी। कि मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम चिंगरौद का एक व्यक्ति भरत साहू अपने पास रखे केटीएम बाईक बेचने हेतु ग्राहक का इंतजार करते चिंगरौद नाले के पास खडा है। उक्त सूचना पर पुलिस की टीम के द्वारा मौका पहुचकर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकडा गया जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम (01) भरत साहू पिता धनश्याम साहू उम्र 20 वर्ष सा. चिंगरौद वार्ड नं. 05 महासमुन्द का निवासी होना बताया। पुलिस टीम के द्वारा उक्त केटीएम बाईक के संबंध में पूछताछ करने पर बाईक को चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि मेरा साथी विकास ध्रुव के साथ मिलकर दो तीन माह पूर्व से हम दोनो मिलकर मोटर सायकल चोरी करते थें। हाल ही में रमनटोला हाउसिंग बोर्ड महासमुन्द से एक बिना नंबर का केटीएम ड्युक 200 मोटर सायकल, ग्राम लभरा खुर्द से एक बिना नंबर का टीवीएस स्पोर्ट्र्स मोटर सायकल, महासमुन्द बस स्टैण्ड से एक बिना नंबर का पल्सर मोटर सायकल, एक बिना नं. डिस्कर मोटर सायकल, नया रायपुर से एक बिना नं. एचएफ डिलक्स मोटर सायकल तथा रायपुर से एक बिना नं. एच.एफ डिलक्स एवं पैशन प्रो मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार किये तथा चोरी के मोटर सायकलों को बेचने के लिए अपने घर चिंगरौद में छिपाकर रखना बताया। पुलिस की टीम के द्वारा आरोपी (02) विकास ध्रुव पिता जनकलाल ध्रुव उम्र 20 वर्ष सा. वार्ड नं. 11 पचरीपारा कुरूद थाना कुरूद धमतरी हाल ग्राम चिंगरौद महासमुन्द का पतासाजी कर ग्राम चिंगरौद में पकडा गया जिसके कब्जे से भी एक बिना नं. होण्डा साईन जिसको ग्राम नारी कुरूद से चोरी करना बताया

आरोपियों के कब्जे से कुल 08 नग मोटर सायकल कीमती 3,40,000 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूध्द थाना सिटी कोतवाली में अपराध धारा 303(2) बी.एन.एस. के तहत् कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

किसानों के लिए समर्पित डबल इंजन सरकार का बड़ा निर्णय : मुख्यमंत्री साय

केंद्र का बड़ा निर्णयः धान खरीदी का अनुमान 70 से बढ़ाकर 78 लाख मीट्रिक टन

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश के किसानों के लिए आज एक अत्यंत हर्ष और गर्व का दिन है। केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए छत्तीसगढ़ में धान खरीदी के अनुमान को 70 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 78 लाख मीट्रिक टन करने की ऐतिहासिक स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय प्रदेश के लाखों अन्नदाताओं की मेहनत को नई पहचान और उनकी आर्थिक समृद्धि को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केंद्र और राज्य सरकार की डबल इंजन प्रतिबद्धता का सजीव प्रमाण है, जिसमें किसान कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा सोशल मीडिया 'एक्स' में पोस्ट करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 8 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त धान खरीदने की स्वीकृति, हमारे किसानों के परिश्रम को मान्यता देने वाला कदम है। यह न केवल उनकी आय में वृद्धि करेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार किसानों के हित में काम कर रही है और केंद्र सरकार से समन्वय करते हुए उनके लिए हरसंभव सुविधा सुनिश्चित कर रही है। राज्य के धान उत्पादक किसानों को बेहतर मूल्य, समय पर भुगतान और सुगम खरीदी प्रक्रिया के लिए ठोस रणनीति बनाई जा रही है। धान खरीदी सीमा में यह वृद्धि प्रदेश के किसानों के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली है। यह उनके परिश्रम और उत्पादन क्षमता में केंद्र की आस्था का संकेत है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगठित बनाए रखने के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है। प्रदेश के अन्नदाताओं की समृद्धि के लिए सरकार लगातार नई योजनाएँ और उपाय लागू कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसानों के जीवन में खुशहाली और सम्मान लाना ही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के अन्नदाता नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कोयला घोटाला मामले में फरार देवेंद्र डडसेना गिरफ्तार

आरोपी देवेन्द्र डड़सेना

रायपुर। ईओडब्ल्यू एसीबी ने कोयला घोटाला मामले में पिछले कई महीनों से फरारी काट रहे आरोपी देवेंद्र डडसेना को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने घोटाले में 100 करोड रुपए की राशि कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के साथ मिलकर वसूली की थी इस राशि को राजनीतिक कार्यों में खर्च किया गया था। ईओडब्ल्यू देवेन्द्र को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इस मामले में अगले सप्ताह 26 जुलाई को निलंबित आईएएस समीर विश्नोई, रानू साहू सौम्या चौरसिया को कोर्ट में पेश होना है। कोर्ट के आदेश पर ये तीनों छत्तीसगढ़ से बाहर रह रहे हैं।

भोग में सुख नहीं : मनीष सागरजी महाराज

संस्कार सुधारने की साधना करें

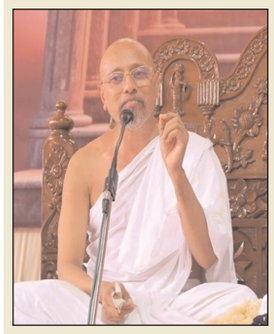

रायपुर। उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने गुरुवार को चातुर्मासिक प्रवचन में कहा कि भोग में सुख नहीं है । वस्तु के बिना भी सुखी रहा जा सकता है। हम जितना भोगों पर निर्भर होते जाते हैं, उतना ही अपना दुख बढ़ाते जाते हैं। आपको भोग के रोग से मुक्त होना है। भोग में जीवन बर्बाद नहीं करना है। आत्म कल्याण करना है। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक बीच में जो मिला है, बस यही मेरा है और यही मेरे पास हमेशा रहने वाला है। ये मेरा है, यह वर्तमान का भ्रम है और ये मेरे पास हमेशा रहने वाला है यह अनंत काल का भ्रम है। जीवन में जो मिला है वह अस्थाई है, नश्वर है,ये बात समझ में जरूर आनी चाहिए। जो चीज आपकी है वह जा नहीं सकती और जो जा सकती है वह आपकी नहीं हो सकती,ये यूनिवर्सल ट्रुथ है। यह जिसको समझ मे आ जाएगा वह मोह में नहीं डूबेगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि- मोह को पॉजिटिव नहीं देखना चाहिए। यह स्वार्थ से उत्पन्न व्यवहार है। स्वार्थ से ही मोह का जन्म होता है। मोह में ना सेवा हो सकती है और ना प्रेम रह सकता है। केवल स्वार्थ उत्पन्न होता है। परमात्मा कहते हैं अपनी आत्मा के प्रति प्रेम रखो। परमात्मा के जीवन की यात्रा में केवल प्रेम है, मोह का कोई स्थान नहीं है। मोह आसक्ति बढ़ता है, फिर प्रेम हो ही नहीं सकता । उपाध्याय भगवंत ने कहा कि आपके संस्कार ही इस भव को सुधारने में काम आएंगे। संस्कार से ही दया का भाव आएगा। ये दया का भाव जीव दया व स्वदया दोनों के लिए होगा। देव, गुरु और धर्म भी उसी को मिलते हैं जिसके अंदर संस्कार होता है। सभी को अपने संस्कार सुधारने की साधना इस भव में करना है। मुक्ति मिले ना मिले, संस्कारों को अच्छा बनाना हमारा दायित्व है। कभी ना कभी परमात्मा मिल जाएंगे,मुक्ति मिल जाएगी,यदि आपके संस्कार अच्छे होंगे।

तपस्वियों का बहुमान- धर्मसभा में नौ उपवास की तपस्वी सोनम झाबक, आठ उपवास के तपस्वी प्रखर कोचर और तीन उपवास की तपस्वी उषादेवी बागमार का बहुमान किया गया । चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्याम सुंदर बैदमुथा व स्वागताध्यक्ष पीआर गोलछा ने तपस्वियों का बहुमान किया।

इज़रायल में महापौर चौबे देख रही हैं स्वच्छता की उन्नत तकनीक

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे इन दिनों इज़रायल प्रवास पर हैं ,जहां वे स्वच्छता को लेकर उन्नत तकनीकी बारीकियों को समझ रही हैं। यहां कचरे से ऊर्जा उत्पादन, जल पुनर्चक्रण और स्मार्ट कचरा संग्रह जैसी अत्याधुनिक तकनीकें अपनाई जाती हैं। वहां का जनसहयोग भी सराहनीय हैं,हमारा प्रयास होगा की राजधानी रायपुर के नगर निगम में भी हम यह सिस्टम लागू करेंगे, ताकि प्रदेश के लिए वह रोल माडल बन सके।

महापौर चौबे ने कहा कि वहाँ की तकनीकी दक्षता और नागरिकों की जागरूकता से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं.एक मजबूत बुनियादी ढांचा हैं जो उच्च गुणवत्ता वाले संसाधन, प्रशिक्षित कर्मी और सख्त नीतियाँ स्वच्छता को सुनिश्चित करते हैं। जन भागीदारी से वहाँ जनता कचरा पृथक्करण, उचित निपटान और स्वच्छता नियमों का पालन करती है। रायपुर में भी स्मार्ट डस्टबिन, जीपीएस-आधारित कचरा वाहन ट्रैकिंग और मोहल्ला पुरस्कार जैसी योजनाएँ लागू की जा सकती हैं। साथ ही, दंडात्मक नियमों से अनुशासन भी तय किया जाए। कुल मिलाकर तकनीक व जनसहयोग को मिलाकर स्वच्छ रायपुर का सपना साकार करते हुए हम एक सुंदर, स्वस्थ और स्मार्ट शहर बना सकते हैं।

टाटा प्ले बिंज पर अब देखने को मिलेगा प्रसार भारती का वेव्स ओटीटी

नईदिल्ली। टाटा प्ले बिंज पर प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफॉर्म, वेव्स उपलब्ध हो गया है। यह ऐप टाटा प्ले बिंज को और ज्यादा विशाल ग्राहकों के बीच पहुँचाने में मदद करेगा। वेव्स पर सांस्कृतिक और परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकने वाला मनोरंजन उपलब्ध है। यहाँ पर क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, हिंदी और सदाबहार कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। इस साझेदारी द्वारा दूरदर्शन के कार्यक्रम एक ही सदस्यता में टाटा प्ले बिंज पर देखे जा सकेंगे। टाटा प्ले बिंज के दर्शक वेव्स पर उपलब्ध सभी कार्यक्रम देख सकते हैं। यहाँ पूरे परिवार के लिए अलग-अलग इलाकों और संस्कृतियों से जुड़ा मनोरंजन मिलता है। 12 भारतीय भाषाओं में 20,000 से अधिक घंटों के मनोरंजन के साथ वेव्स पर ब्योमकेश बक्षी, फौजी और हम लोग जैसे धारावाहिक देखे जा सकते हैं। साथ ही सरपंच साहब, जाईये आप कहाँ जाएंगे, और डेला बेला जैसे लोकप्रिय आधुनिक कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अयोध्या से प्रभु श्री राम लला जी की आरती, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात, और कबड्डी विश्वकप, जर्मन फुटबॉल कप प्रतियोगिता - पोकल, हॉकी इंडिया लीग आदि का सीधा प्रसारण भी देख जा सकता है। ओटीटी के साथ प्रसारण द्वारा इस प्लेटफॉर्म पर 35 से अधिक लाईव टीवी चैनल उपलब्ध हो गए हैं, जिससे दर्शकों को टेलीविज़न की पारंपरिकता का अनुभव ओटीटी स्ट्रीमिंग के साथ लेने का मौका मिलेगा। टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, ''टाटा प्ले बिंज ओटीटी कंटेंट को हर भारतीय तक आसानी से पहुँचाने के लिए शुरू किया गया था।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

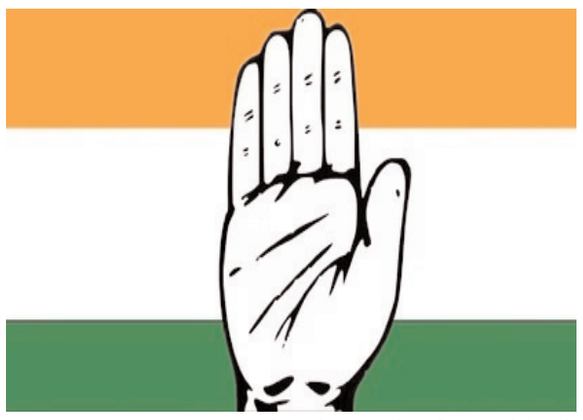

रायपुर (समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने शनिवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। सभी जिलों में ईडी का पुतला दहन और रायपुर में महाधरना की तैयारी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर सभी जिलों में ईडी का पुतला दहन किया जाएगा। पार्टी ने इसे केंद्र की बदले की राजनीति और ईडी के दुरुपयोग का उदाहरण बताया है।

राजीव गांधी चौक बना प्रदर्शन का केंद्र, विधायक उतरे सड़क पर रायपुर के राजीव गांधी चौक पर कांग्रेस विधायकों और कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। केंद्र सरकार की कठपुतली बनी ईडी जैसे नारों और तख्तियों के साथ कांग्रेसियों ने भूपेश बघेल के समर्थन में मोर्चा खोल दिया।

ईडी दफ्तर के बाहर कांग्रेसियों का हंगामा, टायर जलाकर प्रदर्शन

गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी दफ्तर के बाहर जमकर बवाल किया। टायर जलाए गए, जलते टायर को दफ्तर की ओर धकेलने की कोशिश की गई और ईडी की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शन स्थल पर लैलूंगा विधायक विद्यावती सिदार, बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, हस्डू और यूथ कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भिलाई में गिरफ्तारी के समय भी विरोध, 6 घंटे तक पूछताछ के बाद एक्शन

शुक्रवार को चैतन्य बघेल के भिलाई स्थित निवास पर करीब 6 घंटे तक ईडी की टीम ने तलाशी और पूछताछ की। बाद में उन्हें शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार कर रायपुर लाया गया। गिरफ्तारी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी टीम को घेरने और उनकी गाड़ी को रोकने की कोशिश की। गौरतलब है कि चैतन्य बघेल का शुक्रवार को जन्मदिन भी था, जिससे मामला और भावनात्मक रूप से गर्म हो गया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि ईडी केंद्र सरकार का राजनीतिक हथियार बन चुकी है। कांग्रेस ने कहा कि चैतन्य की गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। पूरे प्रदेश में कांग्रेस सड़क से सदन तक विरोध तेज करेगी।

सावन में शिव रुद्राभिषेक का आयोजन, बापू की कुटिया में गूंजे वैदिक मंत्र

रायपुर (समय दर्शन)। सावन के पवित्र माह में कलेक्टर परिसर गार्डन स्थित बापू की कुटिया में शिव रुद्राभिषेक और श्री यंत्र ललिता सहस्त्रनाम पूजा का भक्ति भाव से संपन्न हुआ। इस विशेष पूजा का आयोजन शकुंतला फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ द्वारा जनकल्याण और सर्वमंगल कामनाओं की पूर्ति हेतु किया गया। पूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, श्रद्धालुओं और समाजसेवियों की उपस्थिति रही।

गुरु मां गिरिजा तिवारी के सान्निध्य में पूजा संपन्न हुई, जिन्होंने 108 मिट्टी के शिवलिंगों का निर्माण कर दुग्ध, दही, बेलपत्र, भस्म, अभ्रक और अबीर से विधिवत रुद्राभिषेक कराया।

श्लोकों की गूंज और श्रद्धा का संगम

पूरे आयोजन के दौरान वातावरण संस्कृत श्लोकों की गूंज और शिव भक्ति से मंत्रमुग्ध रहा। श्लोकों का उच्चारण विदुषी बालक द्वारा किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

पूजा में यजमान गोविंद अग्रवाल के साथ शकुंतला देवी, स्मिता सिंह, राजेन्द्र सिंह, अंजना सिंह, अनुश्री पाठक , पदमा घोष ,सुषमा बग्गा हासी बनर्जी भानुमति अपर्णा चांडक उपस्थित रहे।

संस्था का उद्देश्यः श्रद्धा के साथ सेवा

शकुंतला फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामूहिक प्रार्थना और सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से समाज में सौहार्द और कल्याण का वातावरण बनाना है।

सावन के इस भक्ति पर्व में शिव आराधना और सामूहिक सहभागिता ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि श्रद्धा, सेवा और संस्कार जब एकत्रित होते हैं, तो समाज में चेतना और शांति दोनों जागती हैं।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का हंगामा, विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार को उस वक्त भारी हंगामे की भेंट चढ़ गया, जब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी का मुद्दा सदन में उठा। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए विधानसभा की कार्यवाही से वॉकआउट कर दिया।

चैतन्य की गिरफ्तारी भिलाई स्थित आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने की है। यह कार्रवाई राज्य के बहुचर्चित शराब घोटाले और कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी बताई जा रही है। वहीं, सूत्रों के अनुसार, इस गिरफ्तारी का संबंध महादेव सट्टा ऐप से भी हो सकता है, हालांकि ईडी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

नेता प्रतिपक्ष का हमला ङ्क सरकार का दवाब है- नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सदन में जोरदार तरीके से मुद्दा उठाते हुए कहा:आज भूपेश बघेल के बेटे का जन्मदिन है, और उसी दिन उसे उठा लिया गया। यह पूरी कार्रवाई केंद्र सरकार के दबाव में हो रही है। ईडी को राजनीतिक टूल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मामले को स्थगित करने की अपील के बावजूद कांग्रेस विधायक सदन से विरोधस्वरूप वॉकआउट कर गए।

ईडी दफ्तर के बाहर कांग्रेस का प्रदर्शन- गिरफ्तारी के बाद रायपुर स्थित ईडी कार्यालय के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता जुटने लगे हैं। पार्टी नेताओं ने प्रदर्शन की घोषणा की है और इसे लोकतंत्र पर हमला बताया है। रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

क्या है मामला?- चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी ईडी की शराब घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत हुई है। इस घोटाले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। चैतन्य बघेल की भूमिका को लेकर जांच एजेंसी लंबे समय से निगरानी में थी।

जन्मदिन पर गिरफ्तारी बनी राजनीति का केंद्र- इस पूरे घटनाक्रम ने इसलिए और तूल पकड़ लिया क्योंकि चैतन्य बघेल का आज जन्मदिन भी है। कांग्रेस नेताओं ने इसे जानबूझकर चुनी गई तारीख करार देते हुए ईडी की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

अब आगे क्या?- ईडी ने चैतन्य को रायपुर स्पेशल कोर्ट में पेश किया, जहां 7 दिन की रिमांड की मांग की गई है। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह पूरे राज्य में विरोध-प्रदर्शन करेगी। विधानसभा में भी अब यह मुद्दा प्रमुख राजनीतिक मोड़ लेने वाला है।

भावना बोहरा ने उठाए जनहित के सवालः सड़क निर्माण सहित कई मुद्दों पर मांगा जवाब

रायपुर (समय दर्शन)। विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने एक के बाद एक कई जनहित के मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने बिलासपुर-तखतपुर-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के निर्माण में लापरवाही और धीमी प्रगति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही तीन माह के राशन वितरण, महतारी वंदन योजना, आंगनबाड़ियों में पोषण आहार प्रदाय, तथा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण जैसे विषयों पर भी विस्तार से सवाल किए।

राष्ट्रीय राजमार्ग-130 की बदहाल स्थिति पर कड़ा सवाल

विधायक बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-130 की स्थिति बेहद खराब है। निर्माण कार्य

गुणवत्ता मानकों की अनदेखी के साथ चल रहा है और ठेकेदारों की लापरवाही से आमजन को भारी असुविधा हो रही है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीन आने वाली शहरी सड़कों और बाईपास मार्ग में भी अनावश्यक विलंब और घटिया निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्रीय परिवहन मंत्री की घोषणाओं के बावजूद ठोस कार्रवाई न होने पर चिंता जताई। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने जवाब में समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया।

तीन माह का राशन वितरण: लक्ष्य और शिकायतों पर मांगा ब्यौरा

भावना बोहरा ने पूछा कि राज्य में तीन माह का चावल एकमुश्त वितरण का लक्ष्य क्या है, और अब तक कितने प्रतिशत वितरण हुआ है? उन्होंने भंडारण, वितरण में भ्रष्टाचार, शिकायत निवारण पोर्टल जैसी व्यवस्थाओं की स्थिति जाननी चाही। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि भारत सरकार ने 31 जुलाई 2025 तक समयसीमा बढ़ा दी है। 1 जून से 30 जून 2025 के बीच 269 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 231 का निपटारा किया गया है। चावल का भंडारण चक्रानुक्रम में उचित मूल्य दुकानों और शासकीय भवनों में किया गया है।

महतारी वंदन योजना में 1.24 लाख से ज्यादा महिलाएं पात्र

विधायक बोहरा ने पंडरिया क्षेत्र में महतारी वंदन योजना के आवेदन, पात्रता, लाभ वितरण और शिकायतों को लेकर जानकारी मांगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि 20 फरवरी 2024 तक 1,25,174 आवेदन मिले, जिनमें से 1,24,841 महिलाएं पात्र पाई गईं। जून 2025 तक 1,23,925 महिलाओं को लाभ मिल चुका है। अब तक की सभी शिकायतों का निवारण हो चुका है।

पोषण आहार वितरण में 889 महिला स्व सहायता समूह सक्रिय

आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्म भोजन के प्रदाय को लेकर बोहरा ने पूछा कि कितने महिला समूहों को यह कार्य सौंपा गया। जवाब में बताया गया कि मार्च 2024 से जून 2025 तक 889 महिला स्व सहायता समूहों ने यह सेवा दी। चयन स्थानीय परिस्थितियों और समूहों की सहमति से किया गया, कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया।

दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण: 122 को मिला लाभ

भावना बोहरा ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों के वितरण को लेकर सवाल पूछा। जवाब में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से जून 2025 के बीच 126 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 122 दिव्यांगजन को उपकरण वितरित किए जा चुके हैं। चयन मेडिकल बोर्ड के परीक्षण और प्रमाण-पत्रों के आधार पर किया गया।

संपादकीय

ईओएल वाहनों को राहत

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर केंद्र के आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों (ईओएल) में ईंधन भरने पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन को एक नवम्बर तक स्थगित करने का फैसला किया है। दिल्ली में अब यह अभियान राष्ट्रीय राजधानी से सटे पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के साथ इसी साल एक नवम्बर से शुरू किया जाएगा। ईओएल वाहन 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल चालित वाहन और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन हैं। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। इस फैसले का क्रियान्वयन शुरू होते ही जनाक्रोश बढ़ा तो दिल्ली सरकार को अहसास होने लगा कि यह फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी लगने लगा कि यह फैसला समय से पहले उठा लिया गया कदम है। क्रियान्वयन में परिचालनगत और ढांचागत चुनौतियां भी समझ आने लगीं। सरकार के हाथ-पांव फूलने लगे और उसने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) से ईओएल के खिलाफ कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। इस पर सीक्यूएम ने समीक्षा बैठक करके इस फैसले पर फिलवक्त रोक लगाने का निर्णय लिया है। दरअसल, यह फैसला जब नवम्बर में लागू किया जाएगा तब भी दिल्ली सरकार को तमाम चुनौतियों का सामना करना होगा। एक तो यह क्रियान्वयन इतना सख्त है कि एक भी ईओएल बचने नहीं पाएगा। ऐसे में जब्ती होगी। पुराने वाहन से वाहन स्वामियों का भावनात्मक लगाव होता है, इसके अलावा कई वाहन स्वामी अपने वाहनों को अच्छे से मेंटेन करके रखते हैं और उन्हें लगता है कि उनके वाहन प्रदूषणकारी नहीं है, जो सच भी होता है, तो ऐसे में उनकी जब्ती उन्हें पच नहीं सकेगी। बीते दिनों इस फैसले के क्रियान्वयन के पहले ही दिन जिस तरह वाहन पेट्रोल पंपों पर जब्त करके वाहन स्वामियों को 'पैदल' कर दिया गया उससे खासा जनाक्रोश पनपा। वाहन स्वामियों के नजरिए से देखें तो उन्हें गलत नहीं कहा जा सकता। बेशक, प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर की जाने वाली किसी भी कवायद या नियम-कायदे को खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन सरकार को इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि नया वाहन खरीदने के लिए मध्यम या निम्न मध्यम वर्ग पर आर्थिक बोझ पड़ना तय है। नये वाहन के लिए ऋण आदि की सहूलियत दिया जाना जरूरी है। बिना इसके आने वाले समय में भी जनाक्रोश रोके नहीं रुकेगा।

मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश

अजय टम्टा

पिछले कुछ सालों में लाखों ड्राइवर ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं से जुड़े हैं। क्योंकि इसमें उन्हें काम करने की आजादी, अनुकलता और तकनीकी सुविधा मिलती है। हालाँकि बढ़ते कमीशन, अस्पष्ट नीतियों, मनमाने निलंबन और सुरक्षा के अभाव ने इस वादे को कई लोगों के लिए निराशा में बदल दिया। भारत भर में तीन मिलियन से अधिक गिग ड्राइवरों द्वारा अनुभव की गई इन चुनौतियों ने व्यापक और लागू करने योग्य विनियमन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया। इसके जवाब में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने पहले ही मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2020 जारी किये थे। इन दिशानिर्देशों ने राज्य सरकारों को एग्रीगेटर्स को लाइसेंस देने और उनकी निगरानी करने का अधिकार देते हुए एक नियामक ढाँचा प्रदान किया, जिससे वाहन-परिचालन उद्योग के विकास को बढ़ावा मिला। ड्राइवरों और यात्रियों दोनों के लिए सुरक्षा, निष्पक्षता और जवाबदेही से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अब मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 पेश किया है। यह भारत के डिजिटल मोबिलिटी इकोसिस्टम में संरचना, सुरक्षा और समावेशिता लाने के लिए एक प्रमुख नीतिगत अपडेट है। मोटर वाहन अधिनियम 1988 के कानूनी आधार पर निर्मित इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य ओला, उबर, रैपिडो जैसे ऐप-आधारित कैब एग्रीगेटर्स के संचालन को विनियमित करना है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिशानिर्देश संवैधानिक कार्यादेशों और न्यायिक निर्देशों के अनुरूप ड्राइवरों और यात्रियों दोनों को संतुलित लाभ प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 2025 के दिशानिर्देशों का सबसे उल्लेखनीय पहलू है- ड्राइवरों के हितों की सुरक्षा। अब तक एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े ड्राइवर, अक्सर खुद को कम कमाई, मनमाने ढंग से कार्य से हटाना (ऑफ-बोर्डिंग), बीमा का न होना और अपर्याप्त कानूनी उपायों के साथ अनिश्चित परिस्थितियों के बीच काम करते थे। नए नियम दिशानिर्देश इन प्रणालीगत कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं। दिशानिर्देशों में एग्रीगेटर्स को राज्यों द्वारा अधिसूचित मूल किराए के आधार पर प्रति घंटे या न्यूनतम गारंटीकृत आय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि एग्रीगेटर और ड्राइवर के बीच किराया निपटान, आपसी सहमति से दैनिक, साप्ताहिक या पाक्षिक आधार पर किया जाना चाहिए। इस कदम से हजारों ड्राइवरों को खासकर आय-प्राप्ति वाले समय में, आय में होने वाले उतार-चढ़ाव से निजात मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, सरकार ने अब प्रत्येक एग्रीगेटर को कम से कम 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य बीमा और 10 लाख रूपये का सावधि बीमा प्रदान करना अनिवार्य कर दिया है। उम्मीद है कि ये सुरक्षा उपाय गिग श्रमिकों को औपचारिक श्रम संरचनाओं के दायरे में लायेंगे। इसके अलावा, नए दिशानिर्देश कमीशन में पारदर्शिता लाते हैं तथा एग्रीगेटर के हिस्से को अधिकांश मामलों में प्रत्येक किराए के 20त्न तक सीमित करते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है, कि ड्राइवर अपनी आय का एक उचित हिस्सा रख सकेंगे। एग्रीगेटर्स को भुगतान कटौती, किराया विभाजन और जुर्माने के बारे में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी भी प्रदान करनी होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि प्रत्येक एग्रीगेटर एक औपचारिक शिकायत निवारण प्रणाली की स्थापना करेगा, जहाँ यात्रा रद्दीकरण, भुगतान विवाद या निलंबन जैसे मुद्दों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान हो सके। ड्राइवरों को समय- समय पर प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिसमें ऐप उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, दिव्यांगजन जागरूकता, ग्राहक से बातचीत, डिजिटल साक्षरता आदि विषयों पर आधारित 40 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल होगा, ताकि वे भविष्य के यातायात से जुड़ी चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुन: प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषत: लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

प्रो. संजय द्विवेदी

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंतत: उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार- किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंधन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत- पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छ: चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा- प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया- सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफकर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

हमारी शक्ति है 'कुटुंब'- आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है- कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे-संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान-पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है।

पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में ही भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट्र के रूप में संबल देने का काम करेगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं। परिवारों में आएं। इससे एक सबल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भारत बनेगा। आचरण की शुचिता से आए परिवर्तन ही स्थाई होते हैं। इससे ही हमारे मन में राम रमेंगें और देश में रामराज्य आएगा।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं ये चीजें, नहीं होगी कभी धन की कमी

हिंदू धर्म में सभी एकादशी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। वहीं सावन माह में पड़ने वाली कामिका एकादशी को उत्तम फलदायी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि अगर आपने पूरे साल एकादशी के दिन पूजा-पाठ और व्रत न रखा हो और सावन माह की एकादशी तिथि के दिन व्रत रख लें। तो उसे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने की महिमा है। कामिका एकादशी के सुख-समृद्धि के लिए व्यक्ति कई तरह के उपाय करता है। अब ऐसे में कामिका एकादशी के दिन कुछ ऐसी चीजें हैं। जिसे घर लाने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं बांसुरी

कामिका एकादशी के दिन आप बांसुरी घर खरीदकर लाएं और बांसुरी की पूजा करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें। ऐसी इसलिए, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बेहद प्रिय है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण हमेशा अपने पास बांसुरी रखा करते थे। इसलिए उन्हें बांसुरी वाला भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि घर में बांसुरी लाने से और रखने से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है। इसलिए कामिका एकादशी के दिन बांसुरी अवश्य लाएं।

कामिका एकादशी के दिन घर लाएं गदा

कामिका एकादशी के दिन घर गदा जरूर लेकर आएं। बता दें, सृष्टि के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु को भुजाधारी भी कहा जाता है। उनके एक हाथ में कमल, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन चक्र है। तीसरे हाथ में गदा और चौथे हाथ में पाञ्चजन्य शंख है। अगर आप भी विष्णु जी की कृपा पाना चाहते हैं, तो कामिका एकादशी के दिन गदा जरूर लेकर आएं। इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होगा।

पाञ्चजन्य शंख

कामिका एकादशी के दिन पाञ्चजन्य शंख घर लेकर आएं। ऐसी मान्यता है कि पाञ्चजन्य शंख घर लाने से नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही उत्तम फलों की भी प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन ऐसे करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार, खुश हो जाएंगे नंदलाल

शास्त्रों में ऐसा वर्णित है कि एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इसलिए हर एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। हालांकि सावन में पड़ने वाली एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ उनके अवतारों की पूजा का भी महत्व माना गया है।

श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कामिका एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल कामिका एकादशी 21 जुलाई की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण के बाल रूप की सेवा एवं श्रृंगार भी अवश्य करने चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि आखिर क्यों कामिका एकादशी पर लड्डू गोपाल की पूजा का है विशेष महत्व और कैसे करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार।

लड्डू गोपाल की पूजा क्या है महत्व?

शास्त्रों में ऐसा वर्णित है कि एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इसलिए हर एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। हालांकि सावन में पड़ने वाली एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ उनके अवतारों की पूजा का भी महत्व माना गया है। विशेष रूप से श्री कृष्ण की आरधना का। शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान विष्णु भले ही चार माह के लिए निद्रा में चले जाते हैं लेकिन उनके अवतार जागृत रहते हैं। इसी कारण श्री राम और श्री कृष्ण या उनके बाल रूप की चातुर्मास और विशेष रूप से इस दौरान पड़ने वाली एकादशियों पर पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

लड्डू गोपाल का श्रृंगार कैसे करना चाहिए?

कामिका एकादशी के दिन लड्डू गोपाल की सेवा करने से चातुर्मास की अशुभता दूर हो जाती है। इसलिए लड्डू गोपाल का श्रृंगार भी चातुर्मास की एकादशियों में अलग तरह से किया जाता है। वहीं, कामिका एकादशी के दिन लड्डू गोपाल का शिव श्रृंगार करना श्रेष्ठ पुण्यकर माना गया है। असल में सावन का महीना शिव जी का है। ऐसे में इसमें पड़ने वाली कामिका एकादशी पर लड्डू गोपाल का श्रृंगार भी शिव जी की तरह किया जाता है। लड्डू गोपाल को त्रिपुंड तिलक लगाते हैं, रुद्राक्ष की माला पहनाते हैं, बांसुरी की बजाय त्रिशूल और डमरू रखते हैं, हरी पोषक धारण कराते हैं।

कामिका एकादशी के दिन इन चीजों के दान से सभी मनोकामनाएं होंगी पूरी

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही बाधाएं भी दूर हो सकती है। कामिका एकादशी के दिन किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण व्रत है जो श्रावण मास के कृष्ण पक्ष में मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है। इस एकादशी के व्रत को करने से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है, यहां तक कि ब्रह्महत्या और भ्रूण हत्या जैसे गंभीर पापों का भी निवारण होता है। कामिका एकादशी के व्रत से व्यक्ति को वैभव, समृद्धि और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। इस दिन दीपदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अब ऐसे में कामिका एकादशी के दिन कुछ चीजों का दान करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के दिन करें अन्न दान

हिंदू धर्म में दान करना पुण्य का काम माना जाता है। अन्न दान को सबसे बड़ा दान माना जाता है क्योंकि अन्न जीवन का आधार है। कामिका एकादशी के दिन किया गया अन्न दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए इस दिन

अन्न का दान विशेष रूप से करें।

कामिका एकादशी के दिन करें वस्त्र दान

कामिका एकादशी के दिन वस्त्र का दान करना भाग्यशाली माना जाता है। इसलिए इस दिन वस्त्र दान विशेष रूप से करें। इससे व्यक्ति के जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो सकती है। इस बात का ध्यान रखें कि अगर आप किसी भी जातक को वस्त्र दान कर रहे हैं, तो नए वस्त्र दें और इसके अलावा आप पुराने वस्त्र भी धोकर दान कर सकते हैं।

कामिका एकादशी के दिन करें गुड़ का दान

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने के बाद गुड़ का दान विशेष रूप से करें। ऐसा कहा जाता है कि गुड़ का दान करने से व्यक्ति को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही भगवान विष्णु को गुड़ बेहद प्रिय है। साथ ही ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी जातक के विवाह में किसी प्रकार की कोई परेशानी आ रही है, तो गुड़ का दान शुभ फलदायी साबित हो सकता है।

कामिका एकादशी के दिन करें घी का दान

कामिका एकादशी के दिन घी का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। इस दिन घी का दान करने से व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही व्यक्ति को दीर्घायु होने का वरदान मिलता है। इसलिए कामिका एकादशी के दिन घी का दान विशेष रूप से करें।

कब है सावन की कामिका एकादशी? शुभ मुहूर्त और महत्व

कामिका एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है। इसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने वाली एकादशी भी कहा जाता है। कामिका एकादशी हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है खासकर श्रावण मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने के कारण इसका विशेष महत्व है। यह एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है और मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। जो लोग पितृ दोष से पीड़ित होते हैं या जिनके पूर्वज शांति में नहीं होते उनके लिए यह व्रत बहुत फलदायी माना जाता है क्योंकि इससे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है। इसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने वाली एकादशी भी कहा जाता है।

कब है कामिका एकादशी

सावन माह की एकादशी तिथि का आरंभ 20 जुलाई, रविवार के दिन दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से होगा। वहीं, इसका समापन 21 जुलाई, सोमवार के दिन सुबह 9 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, कामिका एकादशी का व्रत 21 जुलाई को रखा जाएगा। चूंकि कामिका एकादशी थोड़े समय के लिए बन रही है, ऐसे में इस एकादशी की पूजा सुबह के समय जल्दी की जाएगी।

कामिका एकादशी शुभ मुहूर्त

कामिका एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 14 मिनट से सुबह 4 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। ऐसे में यह समय व्रत का संकल्प लेने एवं स्नान-दान के लिए श्रेष्ठ है। इसके अलावा, कामिका एकादशी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 3 मिनट से सुबह 8 बजकर 13 मिनट तक रहेगा। यानी की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए कुल अवधि लगभग 1 घंटा रहेगी।

कामिका एकादशी महत्व

कामिका एकादशी का व्रत रखने और पूजा करने से कई अद्भुत लाभ मिलते हैं। इस दिन भगवान विष्णु की आराधना करने से व्यक्ति के पिछले जन्मों के साथ-साथ इस जन्म के भी सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। इस व्रत के प्रभाव से पितरों को शांति मिलती है और वे भवसागर से पार हो जाते हैं। जो भक्त यह व्रत श्रद्धापूर्वक करते हैं उनके जीवन में सुख-समृद्धि, धन-धान्य, सौभाग्य, सकारात्मकता और शांति आती है।

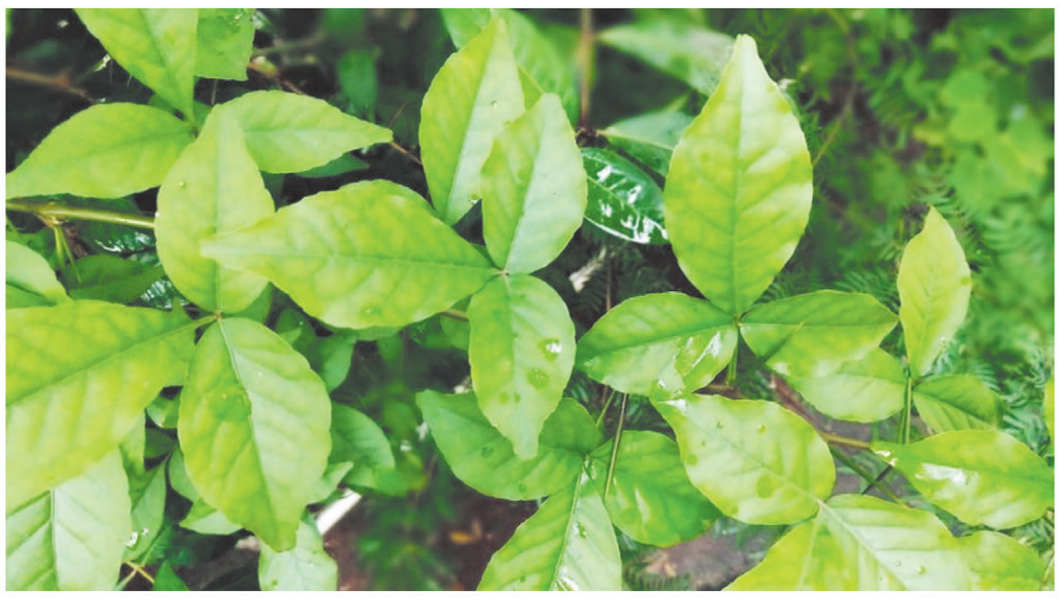

सावन महीने में बेलपत्र के पेड़ की पूजा किस विधि से करें, नियम और महत्व

हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान अगर इनकी पूजा विधिवत रूप से की जाए तो व्यक्ति के जीवन में चल रही सभी परेशानियां दूर हो सकती है और उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। अब ऐसे में इस दौरान बेलपत्र के पेड़ की पूजा का विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है और इस दौरान उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इस पवित्र मास में शिव भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह के अनुष्ठान करते हैं, जिनमें से एक प्रमुख है बेलपत्र के पेड़ की पूजा भई है। बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि बेलपत्र और इसके वृक्ष में भगवान शिव का वास होता है, और सावन में इसकी पूजा करने से महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। पुराणों में कहा गया है कि बेलपत्र भगवान शिव को सबसे प्रिय है। इसके तीन पत्तियां त्रिदेवों का प्रतीक मानी जाती हैं, और यही कारण है कि यह शिव पूजन में बेहद महत्वपूर्ण है।

बेलपत्र के पेड़ की पूजा विधि

- सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। मन को शांत और पवित्र रखें।
- बेलपत्र के पेड़ के पास जाएं। यदि पेड़ घर में या आसपास हो तो वहीं पूजा करें। यदि न हो तो किसी शिव मंदिर के पास स्थित बेलपत्र के पेड़ की पूजा कर सकते हैं।
- पूजा प्रारंभ करने से पहले हाथ में जल लेकर अपनी मनोकामना दोहराते हुए पूजा का संकल्प लें।
- सबसे पहले बेलपत्र के वृक्ष को हाथ जोड़कर प्रणाम करें।
- शुद्ध जल और गंगाजल मिलाकर बेलपत्र के पेड़ की जड़ में अर्पित करें। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- इसके बाद कच्चा दूध अर्पित करें। यह शीतलता प्रदान करने और महादेव को प्रसन्न करने का प्रतीक है।
- बेलपत्र के तने पर कुमकुम और चंदन का तिलक लगाएं।
- बेलपत्र के पेड़ की परिक्रमा करते हुए ऊँ नमः शिवाय या महामृत्युंजय मंत्र का यथाशक्ति जाप करें। आप बेलपत्र के मूल मंत्र मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे। अग्रतः शिवरूपाय बिल्ववृक्षाय ते नमः।। का जाप भी कर सकते हैं।
- इस दौरान शिव चालीसा का पाठ विशेष रूप से करें।
- आखिर में बेलपत्र की आरती भी करें।

बेलपत्र के पेड़ की पूजा के नियम

- बेलपत्र को सूर्योदय के बाद और दोपहर से पहले तोड़ना शुभ माना जाता है। कोशिश करें कि एक दिन पहले सूरज डूबने से पहले ही बेलपत्र तोड़कर रख लें।
- बेलपत्र के पेड़ की पूजा करने के दौरान भगवान शिव का ध्यान जरूर करें और उनके मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें।

बेलपत्र के पेड़ की पूजा का महत्व

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होने के कारण इस पूरे माह में उनकी पूजा-अर्चना का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। सावन में बेलपत्र चढ़ाने से न केवल भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, बल्कि माता पार्वती भी भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति सावन में पूरी श्रद्धा के साथ बेलपत्र अर्पित करता है, उसे धन, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही, उसके सभी पापों का नाश होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

संक्षिप्त समाचार

किरंदुल के बीआईओपी स्कूल में कबाड़ का ढेर बना खतरा, बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया संकट

किरंदुल, दंतेवाड़ा: बीआईओपी सीनियर सेकेंड्री स्कूल परिसर में शौचालय के पास जमा टूटे-फूटे बेंच, टेबल और कबाड़ के ढेर से जहरीले कीड़े-मकोड़े और जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ गया है। यह शौचालय स्कूल के बच्चों द्वारा नियमित रूप से उपयोग किया जाता है, जिससे उनकी सुरक्षा को गंभीर जोखिम पैदा हो गया है। स्थानीय निवासियों और अभिभावकों ने चिंता व्यक्त की है कि कबाड़ में छिपे जहरीले जंतु बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। स्कूल प्रशासन से कबाड़ को तत्काल हटाने और परिसर को सुरक्षित बनाने की मांग की जा रही है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो यह स्थिति बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। अभिभावकों और समुदाय ने स्कूल प्रशासन और एनएमडीसी प्रबंधन से इस मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की अपील की है ताकि बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके।

बिलासपुर में आयोजित प्रांतीय विचार वर्ग कार्यशाला में राजनांदगांव टीम का रहा शानदार प्रदर्शन

राजनांदगांव। स्वदेशी जागरण मंच की प्रांतीय विचार वर्ग कार्यशाला का आयोजन 12-13 जुलाई को बिलासपुर स्थित झूलेलाल मंगलम भवन, तिफरा में किया गया। दो दिवसीय इस विचार शिविर में राजनांदगांव जिले की टीम ने प्रभावशाली भागीदारी निभाते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। छत्तीसगढ़ के सभी संभागों व जिलों से आए कार्यकर्ताओं में राजनांदगांव की टीम सबसे सक्रिय व अनुशासित नजर आई।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में स्वदेशी जागरण मंच के संरक्षक सतीश कुमार (हरियाणा) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मंच के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और स्वदेशी की अवधारणा को विस्तार से समझाते हुए कहा कि विदेशी उत्पादों पर हमारी निर्भरता देश की आत्मनिर्भरता के लिए खतरा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने की। उन्होंने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वदेशी आंदोलन केवल एक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की नींव है।

प्रशिक्षण वर्ग में मंच के वरिष्ठ प्रांतीय वक्ताओं और पदाधिकारियों ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को स्वदेशी की मूल भावना, आर्थिक दृष्टिकोण और सामाजिक प्रभाव की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि विदेशी वस्तुओं का अंधाधुंध उपयोग भारत को आत्मनिर्भर बनने से रोकता है, अतः सभी कार्यकर्ताओं को जनमानस को जागरूक करने की जिम्मेदारी निभानी होगी।

राजनांदगांव जिले से जिला संयोजक एडवोकेट राजकुमार शर्मा, राकेश इंदुभूषण ठाकुर, राकेश दुबे, भगवान झा, अनिमेष रॉय, श्री गुप्ता, सुनील बाजपेई, हकीम खान, सीएस शर्मा, दिग्विजय मिश्रा सहित कई सदस्य शामिल हुए।

महिला प्रतिनिधियों में सुधा पवार, संगीता शुक्ला, फातिमा सोलंकी, आयुषी, प्रतिभा साहू, कमलेश्वरी साहू, जमुना साहू, मंजू साहू प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यशाला के दौरान राजनांदगांव टीम की सक्रिय भागीदारी, अनुशासन और सजगता की सभी ने सराहना की।

कार्यशाला की जानकारी अनिमेष रॉय ने साझा करते हुए बताया कि सभी प्रतिभागियों ने अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भाषण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जनजागरण और व्यवहारिक परिवर्तन के लिए तैयार किया गया।

कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाला समय स्वदेशी का है, और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

डी.ए.पी. की कमी की स्थिति में वैकल्पिक उर्वरकों से फॉस्फोरस तत्व की पूर्ति हेतु सुझाव

भाटापारा (समय दर्शन)। कृषि विज्ञान केंद्र, भाटापारा द्वारा किसानों के खेतों में धान फसल के लिए संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य बनाए रखते हुए उपज वृद्धि एवं उर्वरक उपयोग दक्षता में सुधार करना है। केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कश्यप ने बताया कि वर्तमान खरीफ मौसम में धान की बुआई एवं रोपाई का कार्य जोरों पर है। यह समय फसल की पोषण आवश्यकता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे समय में डी.ए.पी. (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) खाद की सीमित उपलब्धता के कारण कई कृषक असमंजस की स्थिति में हैं और उर्वरक प्रबंधन को टाल रहे हैं। किसानों से आग्रह है कि वे डी.ए.पी. की प्रतीक्षा में फसल की बुआई या पोषण पूर्ति में देरी न करें, क्योंकि समय पर उर्वरकों का प्रयोग ही उच्च उत्पादन की कुंजी है। धान जैसी फसल में बुआई के तुरंत बाद की 30क्क40 दिन की अवधि महत्वपूर्ण होती है। यदि इस समय पोषक तत्व (विशेष रूप से फॉस्फोरस) उपलब्ध नहीं होते, तो फसल की वृद्धि रुक जाती है, जो बाद में उपज को प्रभावित करती है। धान की फसल के लिए औसतन प्रति एकड़ 24 किलोग्राम फॉस्फोरस (क्रह्ल५) की आवश्यकता होती है। यदि डी.ए.पी. उपलब्ध न हो, तो किसान सिंगल सुपर फास्फेट (स्स्क), 12:32:16, 20:20:0:13 एवं 28:28:0 जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के माध्यम से फॉस्फोरस की पूर्ति कर सकते हैं। इन उर्वरकों में न केवल फॉस्फोरस की आपूर्ति होती है, बल्कि नाइट्रोजन,

पोटाश और सल्फर जैसे अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध रहते हैं, जो पौधों की संतुलित वृद्धि में सहायक होते हैं। यदि किसान समय पर फॉस्फोरस व अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं, तो पौधों की जड़ें मजबूत बनती हैं, कल्ले अधिक निकलते हैं और फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। यदि डी.ए.पी. उपलब्ध नहीं हो, तो इसके स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट (स्स्क) का प्रयोग एक उपयुक्त विकल्प है। इसमें 16 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है, अतः 24 किलोग्राम फॉस्फोरस की पूर्ति के लिए लगभग 150 किलोग्राम स्स्क की आवश्यकता होती है। स्स्क में सल्फर (लगभग 11 प्रतिशत) भी पाया जाता है, जो धान की गुणवत्ता एवं सुगंध के लिए अत्यंत उपयोगी होता है। इसके अतिरिक्त, मिश्रित उर्वरकों का उपयोग भी किया जा सकता है। जैसे 12:32:16 उर्वरक में 32 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है, अतः लगभग 75 किलोग्राम प्रति एकड़ की मात्रा से आवश्यक फॉस्फोरस पूर्ति की जा सकती है। इसी प्रकार 20:20:0:13 उर्वरक में 20 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है, जिसके लिए 120 किलोग्राम प्रति एकड़ की मात्रा उपयुक्त मानी जाती है। यह उर्वरक सल्फर (13त्न) का भी अच्छा स्रोत है। 28:28:0 उर्वरक, जिसमें 28 प्रतिशत फॉस्फोरस से यह आवश्यकता लगभग 85 किलोग्राम प्रति एकड़ की मात्रा में पूरी की जा सकती है। इन मिश्रित उर्वरकों में उपलब्ध नाइट्रोजन और पोटाश की मात्रा को भी पोषण प्रबंधन में समायोजित करना आवश्यक है।

इस अवसर पर ग्राम बोरसी के प्रगतिशील कृषक द्वारिका डहरिया ने कहा, हम जैसे किसानों को पहले लगता था कि केवल डी.ए.पी. ही फॉस्फोरस का एकमात्र स्रोत है। परंतु कृषि विज्ञान केंद्र के मार्गदर्शन से यह जानकारी मिली कि डी.ए.पी. के अन्य उर्वरक विकल्प भी प्रभावी हैं और मिट्टी की सेहत बनाए रखने में मदद करते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि किसान वैज्ञानिक आधार पर पोषक तत्वों का चयन कर अधिक लाभ प्राप्त करें और उर्वरक उपयोग में संतुलन स्थापित करें, जिससे दीर्घकालिक रूप से भूमि की उर्वरता एवं उत्पादकता बनी रहे। किसानों को सुझाव दिया जाता है कि वे बिना देरी के इन वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग कर फसल की बुआई एवं प्रारंभिक वृद्धि को सुनिश्चित करें।

छुईखदान जनपद की सामान्य सभा में हंगामा, 80 लाख रुपये की बिना अनुमोदन खर्च पर गरमाई बैठक

छुईखदान। जनपद पंचायत छुईखदान की सामान्य सभा की बैठक गुरुवार को भारी हंगामे और आरोप-प्रत्यारोप के बीच संपन्न हुई। प्रारंभ से ही जनप्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर तीखी नाराजगी जताई। सबसे बड़ा मामला 70 से 80 लाख रुपये के बिना बजट अनुमोदन खर्च को लेकर उठाए जिसे सदस्यों ने गंभीर वित्तीय गड़बड़ी करार दिया और इस पर कलेक्टर एवं राज्य शासन को पत्राचार कर राशि वसूली का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया।

बैठक की शुरुआत से पहले भाजपा अध्यक्ष, सभापति और जनपद सदस्यों की गोपनीय रणनीति बैठक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुई, जिससे सामान्य सभा की बैठक एक घंटे देरी से शुरू हुई। पूर्व में हुई सामान्य प्रशासन समिति की बैठक अधूरी जानकारी के चलते स्थगित कर दी गई थी। अब यह बैठक 23 जुलाई को पुनः बुलाई गई है।

महिला एवं बाल विकास तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों की तीन बार से अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए उनके विरुद्ध वेतनवृद्धि रोकने और कार्रवाई के लिए पत्राचार करने का प्रस्ताव पारित किया गया। सभापति ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी बैठकों में अधिकारी आवश्यक जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

जनपद सदस्य राजू जंघेल ने बिना अनुमोदन भारी-भरकम खर्च का मुद्दा उठाया, जिसे अतिरिक्त सीईओ गोपाल गिरी ने स्वीकार किया। यह राशि वेतन, सुशासन तिहार, वाहन खर्च, चाय-नाश्ता और स्वयं एडिशनल सीईओ के नाम पर निकासी में खर्च होना बताया गया। कैशबुक तो दिखाया गया, लेकिन सदस्यों को प्रति न देने पर बैठक में हंगामा हुआ।

बैठक में जनपद के वित्तीय गड़बड़ी की जांच के लिए 3 जनपद सदस्य एवं 2 वरिष्ठ अधिकारियों की जांच समिति गठित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जनपद सदस्यों ने मामले को लोकायुक्त व एसीबी के माध्यम से जांच कराने एवं हाई कोर्ट जाने की भी तैयारी की बात कही।

सभापति सुधीर गोलछा ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक दिवसीय राशन कार्ड निराकरण शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति मिली। साथ ही दनिया में सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए रिपेयरिंग कार्य का प्रस्ताव रखा गया, जिसे पीडब्ल्यूडी ने 7 दिन में पूरा करने का आश्वासन दिया।

सभापति ज्योति जंघेल ने अधिकारियों पर अधूरी जानकारी देने और सदस्यों की बातों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति रही तो वे बैठक में भाग नहीं लेंगी। उन्होंने बीज वितरण, कैशबुक, पानी टंकी और पोर्टल में खर्च के आंकड़ों में अंतर को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

जनपद सदस्यों ने 26 जनवरी कार्यक्रम की वीडियोग्राफी पर 25 हजार और शपथ ग्रहण समारोह में 70 हजार रुपये के नाश्ते को लेकर भी अधिकारियों से जवाब मांगा, लेकिन संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।

बैठक में यह खुलासा हुआ कि वर्ष 2025-26 ही नहीं, पिछले कार्यकाल से ही जनपद पंचायत में बजट पास किए बिना वित्तीय लेन-देन हो रहा है। जनपद सदस्य रमेश साहू ने बताया कि वे पूर्व में भी सदस्य रह चुके हैंए तब भी यही स्थिति थी। आश्चर्यजनक यह कि वार्षिक ऑडिट भी बजट बिना कैसे हो रहा है?

गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी के धीमे काम पर नाराजगी जताते हुए पीएचई विभाग के एसडीओ को 3 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस बार की सामान्य सभा बैठक की 10 से 15 पृष्ठों की विस्तृत प्रोसीडिंग तैयार की गई, जिसे अब तक की सबसे बड़ी कार्यवृत्ति माना जा रहा है। बैठक देर शाम 6 बजे तक चली।

जनपद सदस्यों ने स्पष्ट किया कि यदि दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला प्रदेश स्तर तक उठाया जाएगा। बैठक ने छुईखदान जनपद पंचायत में प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जीवन निर्माण में संस्कारों का विशेष महत्व - मुनि विराटसागर

दुर्ग(समय दर्शन)। नवकार भवन में प्रारंभ सहजानंदी वर्षावास जनमेदनी की अभूतपूर्व उपस्थिति में पूर्ण हर्ष एवं उत्साह के साथ गति पर है।

इस वर्ष मूर्तिपूजक संघ दुर्ग को प.पू. उपाध्याय द्वय प.पू.श्री महेंद्र सागरजी मसा एवं प.पू.श्री मनीषसागर जी मसा के विद्वान शिष्य रत्न प.पू.विराटसागरजी मसा, प.पू.मैत्रीवर्धन सागरजी मसा, प.पू.आत्मवर्धनसागर सागरजी मसा के वर्षावास का सुखद सानिध्य प्राप्त हुआ है।गुरुदेव की निश्रा में दुर्ग संघ के सभी सदस्य सहजानंदी वर्षावास समिति के सदस्यों के मार्गदर्शन में पूर्ण उत्साह एवं उमंग के साथ भाग ले रहे है,सभी की समृद्ध उपस्थिति से सभागार खचाखच भर जाता है।

आज रविवारीय प्रवचनमाला के अंतर्गत जीवन संस्कार के विभिन्न पहलुओं पर गुरुदेव श्री का व्याख्यान हुआ।इसमें विशेष रूप से गर्भ संस्कार, गृह संस्कार, सहन संस्कार, भय संस्कार से विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से सभा को परिचित कराया।उन्होंने कहां हमारा जीवन 3 पन्नों की किताब है पहला पेज बचपन अर्थात भूमिका, दूसरा पेज जवानी, हमारा संपूर्ण जीवन अर्थात किताब का मूल पार्ट और तीसरा पेज बुढ़ापा अर्थात उपसंहार।हमको अपनी किताब सुंदर लिखनी है तो परमात्मा के वचनों के प्रति, उनके बताए मार्ग के प्रति श्रद्धा रखनी होगी।अगर हमारे तीनों पेज सही है तो परमात्मा के प्रति आभार प्रगट करना चाहिए।साप्ताहिक गृहकार्य के लिए उन्होंने अगले रविवार तक परिवार का संविधान बनाकर लाने का निर्देश दिया।

दूसरे सत्र में 11 बजे से 18 वर्ष से ऊपर के युवक एवं युवतियों का एक स्पेशल सेशन लिया।जिसमें उन्होंने कहां अपने अंदर का बैरियर तोड़ो, जिससे आप अपना विकास कर पाएंगे।अपना विश्लेषण किसी और से नहीं करना ऐसा केवल कमजोर व्यक्ति ही करता है, आदि चर्चाएं उन्होंने युवा पीढ़ी से की।इस सत्र में 200 से अधिक युवक युवतियों ने भाग लिया।

दोपहर 3.00 बजे से महिलाओं की नियमित स्वाध्याय की क्लास हुई, जिसमे उन्होंने गुरुमुख से शास्त्र का अध्ययन किया।दिन के अंतिम सत्र में 4.00 बजे से 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों के निखार के लिए जैन शासन के विभिन्न सोपानों से उन्हें परिचित कराया गया।

सुबह सत्र के पश्चात गौतम प्रसादी एवं संध्या बच्चों के लिए भी स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

वर्षावास समिति जैन समाज के सभी महिलाओं, पुरुषों, युवक , युवतियों एवं बच्चों से अधिक से अधिक संख्या में चातुर्मास के प्रत्येक कार्यक्रम में आने का निवेदन करती है। उल्लेखनीय है कि प्रतिदिन सुबह 9.00 से 10.00 बजे तक प्रवचन का क्रम नवकार भवन, ऋषभ नगर दुर्ग में रहता है। तपस्याओ के क्रम में आत्मशोधन तप प्रारंभ है।जिसमें 60 तपस्वी तपस्या कर रहे है।बड़ी तपस्याएं भी प्रारंभ है।

पटरी पार के होनहार हॉकी खिलाड़ियों को मिला वैश्विक दृष्टिकोण

राजनांदगांव। स्थानीय रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पटरी पार क्षेत्र के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को आधुनिक खेल प्रबंधन, करियर प्लानिंग और वैश्विक खेल परिदृश्य से परिचित कराना था। कार्यशाला में दक्षिण अफ्रीका से पधारे खेल प्रबंधन विशेषज्ञ आशुतोष झा ने खिलाड़ियों से संवाद कर उन्हें जरूरी टिप्स और मार्गदर्शन दिया।

विशेषज्ञ आशुतोष झा ने खिलाड़ियों को बताया कि केवल खेल में निपुणता पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे एक प्रोफेशनल करियर के रूप में स्थापित करने के लिए सही मैनेजमेंट, ब्रांडिंग, साइंटिफिक ट्रेनिंग और स्पॉन्सरशिप की समझ भी जरूरी है। उन्होंने कहा, खिलाड़ी जितना अपने खेल पर ध्यान दें, उतना ही अपने भविष्य की दिशा तय करने में भी सजग रहें। समय प्रबंधन, नेटवर्किंग और मानसिक अनुशासन आज के खिलाड़ी की सबसे बड़ी पूंजी है।

कार्यशाला में उपस्थित खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए विशेषज्ञ से विभिन्न मुद्दों पर सवाल भी किए।

प्रश्नोत्तर सत्र खासा रोचक रहा, जिसमें युवाओं ने करियर से जुड़े कई सवाल पूछे।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं एनआईएस कोच मृणाल चौबे ने बताया कि चिखली स्कूल मैदान में रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा खेल, शिक्षा और अनुशासन को केंद्र में रखकर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी संघ और जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के मार्गदर्शन में अब तक 250 से अधिक बच्चों को हॉकी से जोड़ा गया है।

विशेषज्ञ आशुतोष झा ने खिलाड़ियों को हॉकी स्टिक और बॉल भी भेंट किए। इस मौके पर वरिष्ठ पार्षद सुनील साहू ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं खिलाड़ियों की सोच का दायरा बढ़ाती हैं। सिर्फ खेलना काफी नहीं, खेल से जुड़े हर पहलू को समझना ज़रूरी है। कैलाशधाम मंदिर समिति के अध्यक्ष खुमान वर्मा ने रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी के इस प्रयास को युवा प्रतिभाओं को वैश्विक दृष्टिकोण से परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर समाजसेवी ललित नायडू, मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष सुरेश डेकाटे, राजेश साहू, संदीप यादव, भागवत निषाद, आशुतोष लारिया, निकेश रामटेके, चंदा साहू, संतोष राजपूत, खिलेश्वर सिन्हा, रामदास यादव सहित कई खिलाड़ियों के पालकगण व स्थानीय गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यशाला के आयोजन को क्षेत्र में खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में सराहा गया।

माउंट आबू से डॉ.बी.के. शक्तिराज के सानिध्य में स्मृति से सिद्धि स्वरूप क्रिएटिव योग भट्टी

-सुपर माईंड- सुपर फ्युचर (श्रेष्ठ मन-श्रेष्ठ भविष्य) पर व्याख्यान व ट्रेनिंग 22 जुलाई को

दुर्ग(समय दर्शन)। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए हुए अंतरराष्ट्रीय माईंड पावर एवं मेमोरी मैनेजमेंट ट्रेनर डॉ.बी.के. शक्तिराज के सानिध्य में मृति से सिद्धि स्वरूप एक दिवसीय क्रिएटिव योग भट्टी का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत तिलक व पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया । योग भट्टी का शुभारंभ भारतीय परंपरानुसार सम्माननीय अतिथियों डॉ.बी.के शक्तिराज(मेमोरी एवं माईंड मैनेजमेंट ट्रेनर),अशोक राठी (प्रदेश उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज)

अटल गोदवानी (अध्यक्ष पूज्य सिंधी पंचायत दुर्ग),ज्ञानचंद पाटनी (समाजसेवी),ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी (वरिष्ठ राजयोगी

शिक्षिका) के संग दीप प्रज्वलित कर किया गया । ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने आए हुए आगंतुक अतिथियों एवं योग भट्टी में सम्मिलित हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के भिन्न-भिन्न सेवाकेंद्रों व सूदूर ग्रामीण अंचल से आये हुए भाई बहनों का स्वागत किया । ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने अपनी काव्यमय मंच संचालन द्वारा सभी अतिथियों का अभिनंदन किया एवं ब्रह्माकुमार शक्तिराज भाई के विषय में बताया कि आपके नाम दो वर्ल्ड रिकॉर्ड है एवं आप विश्व के एकमात्र ट्रेनर है जिन्होंने 33 वर्ष के आयु में ही 10 लाख से अधिक लोगों को माईंड एवं मेमोरी मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया । डॉ शक्तिराज भाई ने स्मृति से सिद्धि स्वरूप क्रिएटिव योग भट्टी में तन और मन के अनोख सामंजस्य के विषय में बताया । आपने वृतांत के माध्यम से बताया कि परमात्मा ने सृष्टि की रचना की तो ऐसे लगा मानव को ऐसी शक्ति प्रदान कर दिए हैं जिससे उसमें अहंकार आ जाएगा तो वह शक्ति कहां छिपाएं जिससे वह ढूंढ ना पाए तो परमात्मा ने सभी शक्तियां मन के अंदर छिपा दी और आज मनुष्य बाह्य जगत में ढूंढता फिर रहा है अब परमात्मा ने आकर बताया कि सर्व शक्तियां आपके मन के अंदर है।इसलिए कहा जाता है मन के जीते जीत है मन के हारे हार है।आपने क्रिएटिव मेडिटेशन के द्वारा शारीरिक और मानसिक एक्सरसाइज से लोगों को परमात्म सानिध्य और उमंग उत्साह की ऐसी अनुभूति कराए कि लोग पूरे समय में उमंग उत्साह से झूमने लगे।

इसी श्रृंखला में समाज के सभी वर्गों के लिए ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में 22 जुलाई को संध्या 6:00 बजे सुपर माईंड- सुपर फ्युचर (श्रेष्ठ मन-श्रेष्ठ भविष्य) विषय पर निःशुल्क व्याख्यान व ट्रेनिंग का आयोजन किया गया है ।

वेतनमान वृद्धि और नियमितीकरण की दो सूत्रीय मांगों को लेकर स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षकों का गांधी मैदान में धरना

गरियाबंद (समय धर्शन)। जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में कार्यरत संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपनी दो सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर रविवार को गरियाबंद में गांधी मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदेशव्यापी इस आंदोलन के दौरान वेतनमान वृद्धि और नियमितीकरण की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। धरने में जिले के लगभग 129 संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर सरकार से अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया।इस दौरान आंदोलनकारियों ने कहा कि वे वर्ष 2020 से लगातार स्वामी आत्मानंद स्कूलों में समर्पण के साथ सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें न तो स्थायी दर्जा मिला है और न ही उचित वेतनमान। जब कि आज स्वामी आत्मानंद स्कूलों की सफलता का आधार वे शिक्षक और कर्मचारी हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अस्थायी सेवा शर्तों के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है। इन शिक्षकों के मेहनत का ही परिणाम है कि ये स्कूल आज प्रदेश में शिक्षा की पहचान बन चुके हैं।संघ के अध्यक्ष प्रीतम साहू ने कहा कि वर्तमान में शिक्षकों को बहुत ही सीमित वेतन मिल रहा है, जो उनके कार्य, योग्यता और अनुभव के अनुरूप नहीं है। महंगाई के इस दौर में यह वेतन अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि पांच साल से एक ही वेतन मिल रहा है। नियमित शिक्षको और कर्मचारियों के समान अन्य सुविधाएं भी नहीं है। हमारी मंगाई कि हर वर्ष वार्षिक वेतनवृद्धि की नीति लागू की जाए तथा कार्यभार के अनुसार वेतनमान सुनिश्चित किया जाए।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शक्ति कुमार खरे ने कहा कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संविदा शिक्षकों को शिक्षा विभाग में समाहित किया जाए और उनकी सेवाएं नियमित की जाएं, ताकि वे स्थायित्व और सुरक्षा के साथ कार्य कर सकें। पूर्व शिक्षा मंत्री व वर्तमान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा भी संविलयन की बात कही जा चुकी है। मालूम हो कि प्रदेश के आत्मानंद इंग्लिश स्कूलों में आज 13 से 14 हजार शिक्षक संविदा कार्यरत है।

धरने में बैठे अन्य शिक्षकों ने कहा कि सरकार हमारी मांगों को गंभीरता से ले और संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को सम्मान दे।यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया,तो यह आंदोलन और भी व्यापक रूप ले सकता है।

धरने के अंत में संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उक्त दोनों मांगों पर शीघ्र और ठोस निर्णय की अपील की गई।इस अवसर पर विनेश कुमार डडसेना,योगेंद्री कश्यप,रिया कुटारे,रमीज खान,विकास चंद्राकर,ईश्वर कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में संविदा शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।वर्तमान में आत्मानंद के व्याख्याता को 38100, शिक्षक को 35400 सहायक शिक्षक को 25400, लाइब्रेरीयन को 22400,चपरासी को 15600,लैब असिस्टेंट को 25300 फिक्स मिलता है। जबकि इसकी तुलना में नियमित वालों को प्रत्येक में 10 से 15000 रुपए मासिक अधिक मिलते हैं।

खबर-खास

पिक अप वाहन पलटा कोई हताहत नहीं

गरियाबंद (समय धर्शन)। जिला मुख्यालय एक किलोमीटर दूर राजिम मार्ग में रविवार को एक पिक अप वाहन जो गरियाबंद की ओर आ रहा था वो पलट गया,इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुआ।घटना रविवार के दोपहर को है जब एक पिक अप वाहन क्रमांक सीजी 04 एम सी 2051जिसमे सामान भरा हुआ था,वो ग्राम मजरकट्टा मोड के समीप बरसात के चलते अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमे दो लोग सवार थे,इस घटना में वाहन चालक का पैर फंस गया ,घटना को देख नजदीक में मौजूद लोग बरसते पानी में तत्काल मौके पर पहुंचे और वाहन चालक को बाहर निकाले इस घटना में गनीमत यह रही को कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

शिव महापुराण महाकथा में त्रिपुरासुर व मार्कण्डेय ऋषि की कथा में डूबे श्रद्धालु

कवर्धा (समय दर्श न)। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी समिति जोराताल द्वारा आयोजित शिव महापुराण महाकथा के छठवें दिन कथा व्यास वैष्णवाचार्य सुरेन्द्र दास महाराज ने जालंधर व शंकर संवाद तथा त्रिपुरासुर व मार्कण्डेय ऋषि की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। वैष्णवाचार्य सुरेन्द्र दास (श्री वृंदावन धाम) ने कहा कि जालंधर की शक्ति उसकी पत्नी वृंदा के पतिव्रत धर्म में थी। लेकिन जब उसका सतीत्व भंग हुआ, तब उसका अंत हुआ। यह कथा हमें यह सिखाती है कि चाहे कोई भी कितना बलवान क्यों न हो, यदि वह अहंकार और अन्याय के मार्ग पर चलता है तो उसका अंत निश्चित है। इसी तरह त्रिपुरासुर वध कथा और मार्कण्डेय ऋषि की अमरता की कथा का जीवंत चित्रण किया। कथा सुनकर श्रोतागण भक्ति की धारा में भाव विभोर होते रहे। वे धर्म, और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी लिए उल्लेखनीय है कि कथा समापन के दिन 20 जुलाई को विशाल भंडारा व रूद्राभिषेक का आयोजन भी किया जाएगा। नगर एवं क्षेत्रवासियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आध्यात्मिक सत्संग का अवश्य लाभ लें।

छोटे शहरों में बड़ी उपलब्धि: स्कोडा का नेटवर्क और भरोसा दोनों फैला, 172 शहरों में 300 कस्टमर टचपॉइंट के साथ अपनी उपस्थिति मज़बूत की

नईदिल्ली। भारत में 25 साल और दुनिया भर में 130 साल की शानदार विरासत के साथ स्कोडा ऑटो नए मुकाम गढ़ रही है। कंपनी ने इस महीने 2025 की पहली छमाही में अपनीअब तक की सबसे ज़बरदस्त बिक्रीदर्ज की है — और अब एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में ब्रांड ने देश के 172 शहरों में 300 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्सका आंकड़ा पार कर लिया है।ग्राहक अनुभव को बेहतर से बेहतरीन बनाना स्कोडा ऑटो की भारत में तेज़ रफ्तार विकास रणनीति का मूल मंत्र है। देशभर में तेज़ी से बढ़ता यह नेटवर्क, न केवल स्कोडा की बढ़ती पहुँच का प्रमाण है, बल्कि भारतीय ग्राहकों के बीच उसके मज़बूत होते भरोसे की कहानी भी कहता है। इस अवसर पर स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टरआशीष गुप्ताने कहा, हमारे नेटवर्क के विस्तार से हमारी कारें और सेवाएं अब ज़्यादा लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे ग्राहकों को देशभर में तेज़, भरोसेमंद और गुणवत्ता से भरपूर सेवा मिल रही है। हम 'ग्राहकों के और करीब आने' और 'साथ मिलकर आगे बढ़ने' की सोच के साथ काम कर रहे हैं। इसी के तहत हमने अपने पुराने, भरोसेमंद डीलर साझेदारों के साथ सहयोग को और मज़बूत किया है और कुछ नए, ग्राहक-केंद्रित साझेदारों को भी जोड़ा है।यह विस्तार भारत में स्कोडा ऑटो की उपस्थिति को और सशक्त बनाएगा और सुरक्षा, मूल्य तथा बेहतरीन अनुभव के हमारे वादे को और मज़बूती देगा।

काइलैक की सफलता से आगे बढ़ते हुए- काइलैक स्कोडा ऑटो के लिए एक ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसने कंपनी को नए बाज़ारों और ग्राहकों से जोड़ने में बड़ी मदद की है। ब्रांड का लगातार बढ़ता नेटवर्क अब इन नए क्षेत्रों में स्कोडा की पहुंच और मज़बूत कर रहा है। कुशाक और कोडिएक के साथ मिलकर अब स्कोडा के पास हर वर्ग के ग्राहकों के लिए एसयूवीकी पूरी रेंज मौजूद है

पंडरिया विधायक भावना बोहरा छत्तीसगढ़ की खुशहाली व समृद्धि के लिए अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक करेंगी कांवड़ यात्रा

सावन के दूसरे सोमवार को होगी 151 किलोमीटर की यात्रा।

कवर्धा (समय दर्श न)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा छत्तीसगढ़ व प्रदेशवासियों की सुख -समृद्धि एवं खुशहाली की कामना लिए सावन के दूसरे सोमवार को अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की कठिन कांवड़ यात्रा करने का संकल्प लिया है। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उनका यह संकल्प अपने कर्तव्यों का निर्वहन हेतु उनकी तत्परता एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों तक हमारी सनातनत परंपरा एवं धार्मिक महत्व की गौरवशाली इतिहास के प्रति प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से प्रतिवर्ष सावन माह में हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री अमरकंटक में जलेश्वर महादेव को जल अर्पित करने कांवड़ यात्रा करते हैं। इसी कड़ी में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भी 21 जुलाई को सुबह 7 बजे माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर के लिए 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा शुरू करेंगी। विधायक भावना कांवड़ में जल लेकर पदयात्रा करते डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक के बाद भोरमदेव मंदिर में शिवजी का जलाभिषेक के साथ ही अपनी यात्रा पूर्ण करेंगी। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार होगा की एक महिला जनप्रतिनिधि इतनी कठिन यात्रा करके प्रदेश व प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा करेंगी। इस दौरान भावना बोहरा माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से लहनी, खुड़िया, पंडरिया, मोहतरा से डोंगरिया महादेव पहुंचेगी जहाँ शिवजी का जलाभिषेक करेंगी तत्पश्चात डोंगरिया महादेव से बोड़ला होते हुए भोरमदेव मंदिर में पूजा-अर्चना व शिवजी का जलाभिषेक कर अपनी यात्रा पूर्ण करेंगी। यात्रा के पूर्व शनिवार को भावना बोहरा ने कवर्धा में माँ महामाया मंदिर, बूढ़ा महादेव मंदिर, खेड़ापति हनुमान मंदिर एवं शनिदेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की समृद्धि एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली हेतु कामना की। इसके बाद ग्राम रणवीरपुर में श्री हनुमान मंदिर एवं माँ महामाया मंदिर में आयोजित झंडा पूजा में शामिल हुईं और मंदिर में दर्शन-पूजन कर सर्वमंगल की की कामना की और अपनी सुखद व सफल यात्रा के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंडरिया विधायक भावना ने बताया कि हमारी सनातन संस्कृति में श्रावण मास और शिव उपासना की पौराणिक मान्यता है, हमारे छत्तीसगढ़ में भी अमरकंटक के नर्मदेश्वर महादेव के निकट मां नर्मदा का पावन जल लेकर बाबा भोरमदेव को अर्पित करने की प्राचीन आस्था है और प्रतिवर्ष कबीरधाम जिले से हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री जल लेकर कठिन कांवड़ यात्रा करके भोरमदेव मंदिर में शिवजी का जलाभिषेक करते हैं। उसी आस्था के प्रति भगवान भोलेनाथ एवं माँ नर्मदा के आशीर्वाद तथा कांवड़ यात्रियों से प्रेरणा लेकर इस वर्ष सावन माह के द्वितीय सोमवार को माँ नर्मदा मंदिर प्रांगण से डोंगरिया महादेव एवं भोरमदेव मंदिर तक छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मैं 151 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा करने जा रही हूं। उन्होने जिले के सभी शिवभक्तों से आग्रह किया है कि आपका सहयोग और गरिमामयी उपस्थिति मेरे संकल्प और मनोबल को नई उर्जा प्रदान करेगा। इस यात्रा को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना करने हेतु आपकी उपस्थिति एवं मंगलकामनाओं की अपेक्षा है। आपकी उपस्थिति हर कदम पर बोल बम के उद्घोष के साथ मेरी हिम्मत को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान शिव के प्रति मेरी आस्था और विश्वास एवं हमारे कांवड़ यात्रियों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ की खुशहाली हेतु मैं यह पद यात्रा करने जा रही हूं और आप में से जो भी कांवड़ यात्री या भक्तगण इस पुण्य यात्रा में मेरे साथ सहभागी बनना चाहते हैं उनका मैं सहर्ष स्वागत करती हूं। यह केवल एक पद यात्रा नहीं बल्कि देवों के देव महादेव के प्रति हमारी आस्था, भक्ति और उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में व्याप्त सुख-समृद्धि का प्रतीक है। हमारी भारतीय संस्कृति सर्वे भवन्तु सुखिन: की है और इसी संस्कृति और भगवान शिवजी के प्रति आस्था ने मुझे इस कांवड़ यात्रा हेतु प्रेरित किया है। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, पर्यावरण प्रेम और स्वास्थ्य से जुड़ी एक रीति भी है। यह शिव भक्ति के साथ-साथ जीवन में अनुशासन और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। यह यात्रा मानसिक एकाग्रता, संयम, धैर्य और भक्ति की भावना को बढ़ाती है। सामूहिक यात्रा से सामाजिक एकता और सहिष्णुता का भाव जागता है तथा शुद्ध आचरण, सात्विक भोजन, मौन या भक्ति में लीन रहना, ৳? नम: शिवायष् का जप करते हुए यात्रा करना, ये सब हमारे अंदर एकजुटता, सामाजिक एकता, धैर्य और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है। इस दौरान मेरे हर कदम पर बोल बम के नारों से एक नया उत्साह एवं उर्जा का संचार करने के लिए जो भी शिवभक्त और कांवड़ यात्री हमारी इस यात्रा में शामिल होना चाहते हैं मैं सहर्ष उनका स्वागत करती हूँ।

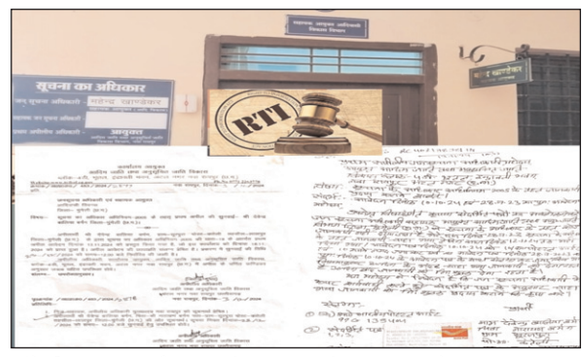

सूचना के अधिकार अधिनियम की खुली अवहेलना: राजधानी रायपुर में भी समय पर नहीं मिल रही जानकारी, प्रथम अपीलीय अधिकारी मौन

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ राज्य में पारदर्शी प्रशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 आज खुद विभागीय लापरवाही का शिकार होता नजर आ रहा है। राजधानी रायपुर स्थित आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत एक ऐसा मामला उजागर हुआ है, जहाँ अपीलकर्ता द्वारा सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने के बावजूद आज दिनांक तक कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया गया है, न ही उसे कोई सूचना पत्र ही प्रदान नहीं किया गया है।

समय पर जानकारी नहीं, अपील प्रक्रिया भी अधूरी- मामला मुंगेली जिला से जुड़ा है। आवेदक जिन्होंने दिनांक 28 जुलाई 2023 को कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, मुंगेली में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन प्रस्तुत किया था। तय समय-सीमा में जानकारी न मिलने पर उन्होंने नियमानुसार प्रथम अपील कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर में पंजीकृत डाक से भेजी।इसके उपरांत 25 दिसंबर 2024 को दोपहर 12 बजे संयुक्त सुनवाई की तिथि नियत की गई थी, जिसमें अपीलकर्ता द्वारा मांगे गए सत्यापित दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। जनसूचना अधिकारी के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर विभागीय अनियमितताओं का खुलासा होना संभव था। लेकिन अत्यंत खेदजनक है कि इस सुनवाई को सात माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।

जवाबदेही के संवाहक ही लापरवाह- जिस अधिनियम का मूल उद्देश्य सूचना तक सुलभ पहुँच और प्रशासनिक पारदर्शिता था, वह अब खुद लचर कार्यप्रणाली का शिकार हो चला है। इससे यह सवाल खड़ा होता है कि जब राजधानी रायपुर जैसे प्रशासनिक केंद्र में नागरिकों को समय पर जानकारी नहीं दी जा रही है, तो राज्य के दूरस्थ अंचलों में आमजन की स्थिति क्या होगी? क्या यही है 'सुशासन'?

राज्य सरकार जहां सुशासन और जवाबदेही की बात करती है, वहीं उसके अधीनस्थ विभागों द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम की इस तरह अनदेखी किया जाना शासन के दावों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जब स्वयं विभागीय अधिकारी पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं कर पा रहे, तब आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा कैसे संभव होगी?

क चेतावनी और अवसर यह मामला छत्तीसगढ़ शासन के लिए एक चेतावनी भी है और अवसर भी यह सुनिश्चित करने का कि सूचना के अधिकार को केवल एक कागजी अधिकार न मानते हुए, उसे व्यावहारिक रूप से लागू किया जाए। जब तक प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यप्रणाली नहीं अपनाई जाती, तब तक जनहित जैसे शब्द महज नारे ही बने रहेंगे।राजधानी में हुई यह चूक, अधिनियम की भावना के साथ विश्वासघात है। शासन को चाहिए कि वह तुरंत हस्तक्षेप कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करे तथा आम नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति सुनिश्चित कराए।

52 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय धर्शन)।नया सेवरा अभियान अंतर्गत गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अवैध गांजा, शराब एवं वन्य जीव के परिवहन एवं बिक्री में रोक लगाने के साथ कड़े कार्यवाही के निर्देश दिये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया था। दिनांक 20.07.2025 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला की एक व्यक्ति ग्राम मडेली रंग मंच के पास अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब रख कर अवैध धन अर्जित के करने के लालच में ग्राहक का इंतजार कर रहा है। मुखबीर द्वारा बताये गये सूचना तस्दीक पर थाना से हमराह स्टाफके रवाना हो कर मुखबीर द्वारा गये घटना स्थल में पहुच कर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। जिसक नाम पता पुछने पर अपना धनेश्वर सिंह ठाकुर पिता चैनसिंह ठाकुर उम्र 39 वर्ष, निवासी कोकनाझर,वार्ड नम्बर 8, थाना महासंमुद, जिला महासंमुद छ0ग0, हॉल पता ग्राम मड़ेली,थाना छुरा, का रहने वाला बताया।जिसके कब्जे से 52 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 10400 रूपये को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी कृत्य अपराध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी धनेश्वर सिंह ठाकुर के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।इस कार्यवाही में थाना गरियाबंद पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।

पीएम जनमन आवास के कार्यो को 30 सितम्बर तक करे पूर्ण

जिला पंचायत सीईओ श्री मरकाम एवं सहायक आयुक्त श्री भगत ने बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद।कलेक्टर बी.एस.उइके के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के कार्यो में प्रगति लाने जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग नवीन भगत ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने पीएम जनमन योजना की समीक्षा करते हुए स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति सदस्यों के लिए योजना अंतर्गत बनाये जा रहे आवास कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवास की मूलभूत सुविधा से लाभान्वित करने पीएम जनमन के तहत निर्माणाधीन आवास कार्यो को प्राथमिकता में लेते हुए 30 सितम्बर तक पूर्ण करे। साथ ही कार्यों की पूर्णता की निगरानी के लिए निरंतर मॉनिटरिंग भी करें। साथ ही आवास पूर्णता की ऑनलाईन एन्ट्री एवं जीओ टैगिंग सुनिश्चित करते हुए अपूर्ण आवासों को पूर्ण कराने ग्रामीणों को प्रेरित करने के भी निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एवं सहायक आयुक्त ने आवास निर्माण में आने वाली दिक्कतों, समस्याओं की भी जानकारी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी - कर्मचारियों से ली। साथ ही ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र एवं सरपंचों से समन्वय कर आने वाली दिक्कतों को दूर कर आवास निर्माण के कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बैठक में जनपद सीईओ गरियाबंद के.सी.नागेश,एसडीओ आर.ई.एस,कार्यक्रम अधिकारी,तकनीकी सहायक,उप अभियंता सहित सरपंच सचिव रोजगार सहायक एवं आवास मित्र मौजूद रहे।

// कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-दुर्ग (छ.ग.) //

।। निविदा सूचना ।।

क्रमांक/आब./निविदा/2025/4529 दुर्ग, दिनांक : 18/07/2025

दुर्ग जिले की कम्पोजिट विदेशी मदिरा दुकान खुर्सीपार के संचालन के लिये भवन किराये पर लिये जाने हेतु दिनांक 04.08..2025 अपरान्ह 1:00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 04.08.2025 को अपरान्ह 03:30 बजे खोली जायेगी। मदिरा दुकान की जानकारी, निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्तें तथा निविदा संबंधी समस्त जानकारी दिनांक 4.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी, जिला-दुर्ग (उप महाप्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, दुर्ग) के कक्ष क्रमांक 44 से कार्यालयीन समय/दिवसों में प्राप्त कर सकते हैं।

जी-252602294/2

प्र. सहायक आयुक्त आबकारी,
हेतु कलेक्टर
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

ग्राम पंचायत औरी के सरपंच श्रीमती कलेन्द्री गजेंद्र मानिकपुरी ने सांसद बघेल को गांव की से कराया अवगत

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत औरी के सरपंच श्रीमती कलेन्द्री गजेंद्र मानिकपुरी द्वारा दुर्ग लोकसभा के सांसद माननीय श्री विजय बघेल जी के साथ सौजन्य मुलाक़ात कर गांव के समस्याओं के निवारण संबंध में चर्चा किया गया है एवं पंचायत के विकास हेतु निर्माण कार्यों की स्वीकृति हेतु विशेष आग्रह किया गया। जिसमे सांसद महोदय द्वारा निर्माण कार्यों की स्वीकृति देने के लिए आसवासन दिया गया। मुलाक़ात करने हेतु पंच बंटी बंजारे एवं शैलेश शर्मा उपस्थित थे।

स्पेशल डेवलपमेंट प्लानिंग के लिए देश भर के 34 पंचायत का हुआ चयन, पाटन ब्लॉक के झीट पंचायत भी शामिल

पाटन (समय दर्शन)। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा देश भर के 34 ग्रामों के लिए बनाए गए ग्राम पंचायत स्पेशल डेवलपमेंट प्लानिंग पर चर्चा के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल में किया गया। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ से दो पंचायत जिसमें पहला ग्राम पंचायत है दुर्ग जिला पाटन ब्लॉग का ग्राम पंचायत झीट एवं दुसरा सरगुजा जिला की उदयपुर ग्राम पंचायत को चयनित किया गया। जिसका सर्वे, संचालन, सलाह एवं कार्ययोजना बनाने की जिम्मेदारी एनआईटी रायपुर के वास्तुकला एवं योजना विभाग के डॉ अबीर बंद्योपाध्याय, डॉ विवेक अग्निहोत्री एवं प्रो सचिन कुमार साहू को सौंपी गई जिसकी प्रस्तुति उनके द्वारा दी गई। झीट एवं उदयपुर की प्लानिंग पर पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री विवेक भारद्वाज जी द्वारा विस्तृत चर्चा की गई एवं सराहना के साथ उपयोगी सुझाव भी दिए गए। भोपाल स्थित कुसाभाव ठाकरे मिंटो हॉल मे हुई इस चर्चा में ग्राम पंचायत को भविष्य में कैसे डेवलप करना है और ग्राम पंचायत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर कैसे बनाया जा सकता है इस पर विस्तृत चर्चा हुई। इस योजना में ग्रामीणजन को रोजगार सुविधा देने, गांव को एक मॉडल गाँव बनाने, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के विकास पर विशेष चर्चा हुई है एवं स्वास्थ्य शिक्षा बिजली पानी विकास कार्य को और बेहतर एवं मजबूती के साथ झीट सरपंच रूपेंद्र(राजू) साहू जी ने भी कार्ययोजना पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छत्तीसगढ़ शासन से उप संचालक श्री अविनाश जी ने भी राज्य शासन की तरफसे इस योजना के कार्यान्वयन के प्रति समर्थन प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला में पंचायत सचिव श्री यशवंत अडिल जी भी सम्मिलित हुये।

रेस्ट हाउस, सेलूद में बोल बम काँवर यात्रा महोत्सव हेतु आवश्यक बैठक सम्पन्न

पाटन (समय दर्शन)। बोल बम काँवर यात्रा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले विशाल काँवर यात्रा महोत्सव (जो 28 जुलाई, सोमवार को प्रस्तावित है) के संदर्भ में एक आवश्यक बैठक आज रेस्ट हाउस, सेलूद में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में बोल बम काँवर यात्रा समिति पाटन क्षेत्र के संयोजक जितेन्द्र वर्मा , श्रीमती दिव्या कलिहारी , दिलीप साहू , खेमलाल साहू जी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने इस महायात्रा को सफल बनाने हेतु अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सहयोग देने का आह्वान किया। इस अवसर पर रमेश देवांगन, कृष्ण कुमार साहू, महेश्वर बंछोर, टामन साहू, तारेद बंछोर, गेंदालाल बंछोर, अशोक यादव, अनिल साहू, ओम प्रकाश यादव, चुन्नीलाल मानिकपुरी, लक्ष्मण साहू, जीवन साहू, पुनीत साहू, मुनीम वैष्णव, खेमिन साहू, किरण सोनवानी, केवरा साहू, गायत्री साहू, गणेश्वरी साहू, सुनीता सेन, पार्वती ठाकुर, रोहिणी साहू, धनेश्वरी, भुनेश्वरी, अशोक जैन, हर प्रसाद, टीकाराम देवांगन, जयंत साहू, गोरेलाल, परमानंद, उमेश देवगन, जयप्रकाश साहू, चंचल, चंद्रकांत यादव, भुवनेश्वर साहू, चित्रा सिंह कलिहारी, उमेश, नीतू बंछोर आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने काँवर यात्रा महोत्सव की सफलता हेतु तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

अधीन जँघेल बने छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष

पाटन (समय दर्शन)। रायपुर जिला लोधी क्षत्रिय समाज के द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम लोधी भवन काँपा पंडरी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम वर्मा , विशिष्ट अतिथि सुरेश सिंगौर , अध्यक्ष छत्तीसगढ़ युवा लोधी समाज एवं आमंत्रित अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार सिंगौर महामंत्री, विष्णु लोधी प्रदेश कोषाध्यक्ष, श्री जमुना प्रसाद वर्मा अध्यक्ष बिलासपुर लोधी समाज, चंद्र प्रकाश राजपूत सर्किल अध्यक्ष मारो नवागढ़, मोहन उपारकर संरक्षक, बंधु

जंघेल संगठन सचिव, उधो जंघेल भिलाई, हीरा वर्मा,भगवती जंघेल, रूपसिंह जंघेल इत्यादि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में रायपुर जिला के 6 सर्किलों के नवनिर्वाचित महिला / पुरूष पदाधिकारियों को एक साथ शपथ ग्रहण करवाया गया, जिसमें पहाड़ी लोधी पारा, रामनगर, गोगांव, उरला अछोली, स्टेशन लोधिपारा, कांपा लोधी पारा थे। तत्पश्चात रायपुर जिला के केंद्रीय कमेटी के निर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री तेजशंकर जंघेल, उपाध्यक्ष श्री श्रवण जंघेल, महासचिव श्री दीपक जंघेल, कोषाध्यक्ष श्री प्रकाश जंघेल, संयुक्त सचिव श्री महेन्द्र जंघेल एवं महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती पूजा जंघेल, उपाध्यक्ष श्रीमती पम्पा चंदेल, सचिव श्रीमती राजेश्वरी जंघेल, कोषाध्यक्ष श्रीमती जाम बाई जंघेल, और संयुक्त सचिव श्रीमती चंद्रप्रभा जंघेल को शपथ प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम वर्मा जी के द्वारा दिलाई गई।

घनश्याम वर्मा जी के द्वारा अध्यक्ष उद्बोधन के दौरान रायपुर जिला लोधी समाज के निवर्तमान अध्यक्ष श्री अधीन जंघेल को उनकी कर्मठता और सामाजिक सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ लोधी समाज का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा सभी नवनिर्वाचित सर्किल व जिला पदाधिकारियों तथा नवनर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष को सफल कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। यह जानकारी महासचिव दीपक जंघेल रायपुर लोधी क्षत्रिय समाज ने दी।*

कलेक्टर ने किया गगढ़फूलझर का औचक निरीक्षण

- मुख्यमंत्री द्वारा किए गए घोषणाओं के क्रियान्वयन की तैयारियों का लिया जायजा
- सितम्बर तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिलाअंतर्गत विकासखण्ड बसना के गढफुलझर मे विगत माह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा ग्राम गढ़फूलझर प्रवास के दौरान की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने शुक्रवार को ग्राम का दौरा किया।

कलेक्टर द्वारा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानने के लिए निरंतर विभिन्न स्थलों का दौरा किया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने बसना विकासखंड के ग्राम गढ़फूलझर का औचक निरीक्षण किया और सितंबर माह तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणाओं और मांगपत्रों के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इनमें अधोसंरचना निर्माण कार्य, चौपाल निर्माण, सामुदायिक

शौचालय, उद्यान विकास कार्य, तालाब सौंदर्यीकरण,सर्वजन उपयोगी मंगल भवन निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं । कलेक्टर ने इन सभी कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की स्थिति की भी जानकारी ली तथा लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, तहसीलदार के. के. साहू, जनपद पंचायत पिथौरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीयूष ठाकुर, एसडीओ आरईएस बसना नयन प्रधान, आंचल चन्द्राकर, सुवर्धन प्रधान, हरजिन्दर सिंह, मुखंदिर सिंह, सत्यराज सेवानी एवं इन्द्रजीत मेहर भी उपस्थित रहे।

बेटियों ने बसना क्षेत्र का नाम किया रौशन

बसना (समय दर्शन)। आज बसना के लिए गौरव का क्षण है। बैच 2019-20 की आयुर्वेदिक कालेज की छात्रा सुश्री प्राची दास ने श्री नरसिंह नाथ आयुर्वेदिक कालेज एवं रिसर्च सेंटर नरसिंह नाथ,पाईकमाल ,जिला बरगढ़ उड़ीसा से अपने (बी ए एम एस) की पढाई पूरी कर डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत हुई हैं । डॉ.प्राची दास बसना निवासी शिक्षाविद डॉ.विवेकानंद दास की सुपुत्री हैं । वहीं इसी दीक्षान्त समारोह में डॉ. सोनम श्रीवास्तव को भी डॉक्टरेट (BAMS)की डिग्री प्रदान की गई द्यडॉ.सोनम कपड़ा व्यवसायी संघ बसना के संरक्षक एवं सरस्वती शिशु मंदिर बसना के उपाध्यक्ष रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव की सुपुत्री हैं द्य

डॉ.प्राची दास एवं डॉ. सोनम श्रीवास्तव की सफलता पर इनके अनेक मित्रों, शुभ चिंतकों द्वारा इन्हें बधाईयाँ एवं शुभ कामनाएँ देने वालों का शिलशाला लगा हुआ है द्य बसना की इन दोनों बेटियों की सफलता की चर्चा सभी तरफहै।

ग्राम अंशुला में चल रहे श्रीमद् गणेश महायज्ञ में विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने लिया गुरु सायाराम जी का आशीर्वाद, की प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

- धार्मिक आस्था और जन सेवा का संगम: बसना विधायक डॉ अग्रवाल का ग्राम अंशुला दौरा

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंशुला में चल रहे श्री श्री 108 श्रीमद् महागणेश महायज्ञ में बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल सपरिवार पहुंचकर श्री श्री 108 सद्गुरु सियाराम दास जी महाराज के चरणों में गुरु दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा,धार्मिक अनुष्ठानों में जनभागीदारी से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आज गुरुदेव के सान्निध्य में आकर जो दिव्यता और शांति मिली है, वह संपूर्ण समाज के कल्याण की भावना को और दृढ़ करती है। मैं प्रदेशवासियों की मंगलकामना

करता हूँ कि हर घर में खुशहाली, स्वास्थ्य और समृद्धि बनी रहे।

ग्राम अंशुला पहुंचने पर विधायक डॉ अग्रवाल ने ग्रामवासियों से सौजन्य भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना। क्षेत्रीय जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं व स्थानीय प्रशासन को त्वरित समाधान हेतु निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हर समस्या का निवारण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाएगा। विधायक डॉ अग्रवाल ने व्यक्तिगत रूप से आश्वस्त करते हुए कहा था कि कोई भी मुद्दा अनसुना नहीं रहेगा। सरकार जनभावनाओं के अनुरूप पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि गांववासियों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझा और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा हमारी सरकार हर ग्रामवासी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर अनेक भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश अग्रवाल, पिथौरा मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेश सिंघल, नगर पंचायत बसना के पूर्व उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स्वप्निल तिवारी, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, मथामणी बढ़ाई, त्रिलोचन भोई, ग्राम अंशुला के सरपंच, तथा बड़ी संख्या में गांववासी सम्मिलित रहे।

तालुका विधिक सेवा समिति बचेली के द्वारा डी.ए.व्ही स्कूल बचेली में किया गया विधिक साक्षरता शिविर

प्रथम न्यायाधीश अविनाश दुबे के द्वारा पास्को एक्ट के बारे में बताया गया

बचेली (समय दर्शन)-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दंतेवाड़ा एवं तालुका विधिक सेवा समिति बचेली के द्वारा 19 जुलाई शनिवार को डी.ए. व्ही पब्लिक स्कूल बड़े बचेली में छात्र - छात्राओं को व्यवहार न्यायालय प्रथम श्रेणी बचेली के प्रथम न्यायाधीश अविनाश दुबे के द्वारा पास्को एक्ट के बारे में बताया गया जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पास्को एक्ट, जिसका पूरा नाम यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम है भारत में 2012 में बनाया गया एक कानून है। इसका मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और बाल पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से बचाना है पॉक्सो एक्ट के तहत, दोषी पाए जाने पर सख्त सजा का प्रावधान है, जिसमें आजीवन कारावास और मृत्युदंड तक शामिल हैं. इस आयोजन में पी.एल.व्ही रीता चौहान,रंजीता यादव, शुभम यादव ,नंदकिशोर नाग, एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका मौजूद रहे।

पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित प्रशिक्षण का आयोजन डाइट महासमुन्द में सम्पन्न

- कक्षा छठवीं के नवीन पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पॉच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन डाइट महासमुन्द में किया गया

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला से प्रत्येक विकासखण्ड से तीन-तीन शिक्षक प्रति विषयवार खण्ड स्रोत व्यक्ति बीआरजी के रुप में प्रशिक्षण प्रभारी वरिष्ठ व्याख्याता राजेश चंद्राकर, विज्ञान विषय समन्वयक श्रीमती दुर्गा सिन्हा के नेतृत्व में भाग लिया गया। बीआरजी अपने विकास खंड में आकर संबंधित विषय के शिक्षकों को रोचक तरीके व व्याख्यात्मक सह प्रदर्शन सहित विभिन्न गतिविधियों व शिक्षण कौशलों आदि के बारे में प्रशिक्षित करेंगे।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एनईपी के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर तथा विज्ञान विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण मे गायन,वादन,योग शिक्षा के महत्व व लाभ,पंचकोश, गतिविधि आधारित शिक्षा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।

विषय आधारित प्रशिक्षण मे ब्लूम टेक्सोनॉमी के नियमों,सीखने के प्रतिफल,पोषण आहार के बारे में बताकर इससे संबंधित गतिविधि करवाया गया जिसमे तीन टीम बनाकर कार्बोहाइड्रेट्स,प्रोटीन,वसा,विटामिन खनिज लवण आदि के बारे में टॉस्क दिया गया। जिसमे सभी समूह के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा

अर्थ,परिभाषा, गुणधर्म आदि बताया गया।विषय समन्वयक दुर्गा सिन्हा द्वारा बच्चों को अनुभवात्मक शिक्षा देने,कौशल विकास, सक्षमता का विकास करने,शिक्षक की भूमिका,मूल्यांकन व आकलन के बारे में सभी प्रशिक्षणार्थी को विस्तारपूर्वक बतायी। विषय केंद्रित शिक्षा न होकर बाल केंद्रित शिक्षा होने के बारे में भी बताया गया।आकलन व मूल्यांकन में अंतर बताते हुए रोचक तरीके से विज्ञान शिक्षण के बारे में जानकारी दिया गया। आकलन के विभिन्न सिद्धांतो एवं उद् ?देश्यों के बारे में बताया गया । इसी तरह सभी विषय पर आधारित प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण में विज्ञान विषय में विकास खंड बसना के पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल से शिक्षक प्रेमचन्द साव,गढ़फुलझर से जितेन्द्र भोई,लोहड़ीपुर से ज्वाला प्रसाद नर्मदा,महासमुन्द विकास खंड के शासकीय हाई स्कूल पिरदा से शिक्षक राधेश्याम साहू, सेजेस महासमुंद से भारती सोनी,पूर्व माध्यमिक शाला कांपा से सीमा जैन,पिथौरा विकास खंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जबलपुर से अश्विनी प्रधान, सावित्रीपुर से प्रवीण कुमार साहू,खैरखुंटा से जयंत कुमार प्रधान, सरायपाली विकास खंड के कुसमीसरार से सुरेन्द्र कुमार सोना,कलेण्डा से बसंत कुमार पटेल, बागबाहरा विकास खंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आमाकोनी से रमेश कुमार साहू,मोखा से नील कुमार ध्रुव, धरमपुर से होरी लाल ध्रुव ने इस नवीन पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रशिक्षण में बीआरजी के रूप में सहभागिता प्रदान किए। गणित व सामाजिक विज्ञान से बसना विकास खंड के रोहिना से सूरज पटेल,उमरिया से नीलांबर चौधरी,बड़े टेमरी से वेद कुमार साव,दुर्गापाली से अक्षय कुमार सिदार भाग लिए। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्राचार्य डॉ. विजय खण्डेलवाल, प्रशिक्षण प्रभारी राजेश चंद्राकर,डाइट व्याख्याता उमादेवी शर्मा,संतोष कुमार साहू,गणित विषय समन्वयक किरण कन्नौजे, विज्ञान विषय समन्वयक दुर्गा सिन्हा,सामाजिक विज्ञान समन्वयक तिलोत्तमा प्रधान,डीआरजी लोरिश कुमार,अक्षय कुमार साहू सहित सभी विषय के डीआरजी एवं बीआरजी द्वारा विषय आधारित प्रशिक्षण के महत्वों पर प्रकाश डाला गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26